केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 10 सोमवार 29 जुलाई 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

विकास प्राधिकरण की महायोजना 2031 स्वीकृत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शासन ने बस्ती विकास प्राधिकरण की महायोजना–2031 को स्वीकृत कर दिया है। महायोजना–2031 के अनुसार मुख्य सड़कों के किनारे हाईवे फैसिलिटी जोन (कॉमर्शियल जोन) विकसित होगा। जहां पर विभिन्न प्रकार की कॉमर्शियल गतिविधियों को संचालित करने के लिए भवनों का नक्शा बनवाया जा सकता है। यह कॉमर्शियल जोन मुख्य सड़क से 500 मीटर दोनों तरफ होगा। यह रिंग रोड शहर के मुख्य सड़कें, सोनूपार रोड, रिंग रोड, बांसी रोड, महसो रोड और कलवारी रोड पर स्थापित होगा।

बीडीए सचिव प्रतिपाल सिंह चौहान व अधिशासी अभियंता संदीप कुमार ने बताया कि नई योजना में कॉमर्शियल जोन विकसित किया गया है। यह प्राधिकरण क्षेत्र में व्यवसायिक गतिविधियों के संचालन में मदद करेगा। कॉमर्शियल जोन में ढाबा, होटल, मोटल, ऑटो गैरेज, दुकान, कोल्ड स्टोरेज, ग्रीन रिजार्ट, रेस्टोरेंट, कैंटीन, जलपालन गृह, साइबर कैफै, कुटीर उद्योग, वेयर हाउस, कार्यालय, बैंक, डाकखाना, सरकारी प्रतिष्ठान, फलों की दुकान, मौसम केंद्र, गेस्ट हाउस आदि स्थापित किए जा सकते हैं।

रिंग रोड पर पड़ने वाले भदेश्वरनाथ, निबिया, बनकटा, सोनूपार, महसो रोड पर निपनिया, साहूपार, महसोजोत, महसो खास, कैली रोड पर चननी, दुधौरा, जगदीशपुर, खशुआ, रिंग रोड पर चोरभरिया, छितही नरसिंह, कोपिया, कोपवा, परसाटूड़ी, लटवापार, कटया, बायपोखर, हरैया जप्ती, रहठौली, सबदेईया खुर्द, एनएच 28 पर मरवटिया, खझौला, बनियाजोत, पिपराचंद्रपति, सोनारजोत, खुटहना, मनौरीडांडी, अरखाबारी, हड़िया, करही, सबदेईया कला, परसाजाफर, दसौता सड़क के दोनों तरफ कॉमर्शियल जोन होगा। अहमट घाट के आगे फुटहिया से महरीपुर के बीच कॉमर्शियल जोन बनाया गया है। फुटहिया संसारपुर से रिठिया, बगही, पुरैना, कटया, भटहा व्यवसायिक क्षेत्र में आएगा। बस्ती–बांसी मार्ग पर बनकटी, बसिया व हरर्दिया बुजुर्ग के पास भी कॉमर्शियल जोन बना है।

सरदार पटेल स्मारक संस्थान की त्रैमासिक बैठक में विकास पर जोर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सरदार पटेल स्मारक संस्थान की त्रैमासिक बैठक संस्थान के सभागार में ओमप्रकाश चौधरी की अध्यक्षता में हुई। बैठक में ओमप्रकाश चौधरी ने सदस्यों व पदाधिकारियों को सम्बोधित करते हुये कहा कि संस्थान की प्रगति और संस्थान को लोगों के लिये उपयोगी बनाने की दिशा में सतत प्रयास होना चाहिये। उन्होने कहा सदस्यों की एकजुटता और पदाधिकारियों का नेतृत्व व मार्गदर्शन संस्थान के लिये अहम है।

वरिष्ठ उपाध्यक्ष डा. राजेप्द्र प्रसाद वर्मा एवं कनिष्ठ उपाध्यक्ष अमित चौधरी ने अपने विचार रखते हुये कहा कि अल्प संसाधनों में संस्थान छात्रों को बेहतर सुविधायें देने को प्रतिबद्ध है। महामंत्री डा. सुरेन्द्र प्रसाद चौधरी ने कोषाध्यक्ष रामजी चौधरी द्वारा तैयार संस्थान के आय व्यय का लेखा जोखा प्रस्तुत किया और आगे की योजनाओं की जानकारी दी। सदस्यों व पदाधिकारियों ने आय व्यय की रिपोर्ट पर अपनी सहमति जताई। बैठक में प्रमुख रूप से प्रेमचन्द पटेल, राजेश निराला, भानुप्रताप चौधरी, झिनकान चौधरी, ध्रुवचन्द चौधरी, विद्यासागर चौधरी, रामकमल चौधरी, रामतेज चौधरी, राघवेन्द्र प्रताप सिंह, इंजी. श्यामलाल चौधरी, इंजी. विक्रम चौधरी, विजय कुमार सिंह, गौरव चौधरी, धर्मदेव चौधरी, कमलेश चौधरी, रामकृपाल चौधरी, डा. श्यामनरायन चौधरी, टीआर चौधरी, शीतला पटेल आदि उपस्थित रहे।

दिल्ली की आईएएस कोचिंग सेण्टर के बेसमेंट में डूबने से 3 छात्रों की मौत

दिल्ली (आभा)। दिल्ली में शनिवार शाम हुई बारिश के चलते ओल्ड राजेंद्र नगर के राउ आईएएस कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भर गया। इसमें डूबने से 3 छात्रों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि शाम 7 बजे सूचना मिलने के बाद एनडीआरएफ को बुलाया गया। देर रात 3 स्टूडेंट के शव और 14 छात्रों को सुरक्षित निकाला गया।

शनिवार रात बिल्डिंग में पावर कट के कारण बेसमेंट में बनी लाइब्रेरी का बायोमेट्रिक गेट जाम हो गया। स्टूडेंट अंधेरे में लाइब्रेरी के अंदर

फंस गए। गेट बंद होने के कारण पानी शुरुआत में बेसमेंट में नहीं घुसा था, लेकिन कुछ मिनट बाद ही पानी का प्रेशर तेज हुआ और गेट टूट गया। गेट टूटने के बाद पानी तेजी से बेसमेंट में भरने लगा।

चश्मदीद ने बताया कि बहाव इतना तेज था कि सीढ़ियां चढ़ना मुश्किल हो रहा था। कुछ सेकेंड में ही घुटनों तक पानी भर गया। ऐसे में स्टूडेंट बेंच पर खड़े हो गए। महज 2–3 मिनट में ही पूरे बेसमेंट में 10–12 फीट पानी भर गया। बाद में बच्चों को बचाने के लिए रस्सियां फेंकी गईं, लेकिन पानी गंदा था, इसलिए रस्सी दिखाई नहीं दी।

पुलिस ने कोचिंग मालिक अभिषेक गुप्ता और कोऑर्डिनेटर देशपाल सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। रविवार शाम दोनों को दिल्ली कोर्ट में पेशी के लिए ले जाया गया। वहीं, दिल्ली के एलजी वीके सक्सेना ने डिविजनल कमिश्नर से मंगलवार तक रिपोर्ट पेश करने के लिए कहा है।

फायर ऑफिसर ने बताया कि फायर ब्रिगेड की 5 गाड़ियां भेजी गई थीं। सड़क पर पानी भरे होने के कारण शुरुआत में बेसमेंट से पानी नहीं निकल रहा था। कुछ देर बाद जब सड़क से पानी कम हुआ, तब जाकर बेसमेंट से पानी निकलना शुरू हुआ। हमने पंप लगाकर पानी निकाला। इसके बाद छात्रों के शव मिलना शुरू हुए।

पुलिस ने बताया कि रेस्क्यू के दौरान पानी में बेंच तैर रही थी। इसलिए बच्चों को बाहर निकालने में दिक्कतें हुईं। देर रात को जब रेस्क्यू आखिरी चरण में था, तब भी 7 फीट तक पानी अंदर भरा हुआ था। 14 बच्चों को रस्सियों के सहारे सुरक्षित निकाला गया।

2021 में एमसीडी की ओर से राउ आईएएस कोचिंग सेंटर को सर्टिफिकेट जारी किया गया था। इसमें कहा गया था कि बेसमेंट में सिर्फ स्टोरेज की अनुमति है। वहां कोई व्यवसायिक गतिविधि नहीं चलाई जा सकती है। घटना के बाद एमसीडी ने कहा है कि कोचिंग सेंटर में लाइब्रेरी अवैध रूप से चलाई जा रही थी। बिल्डिंग प्लान और फायर ब्रिगेड के नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट में कोचिंग के अधिकारियों ने बताया था कि बेसमेंट का इस्तेमाल पार्किंग और स्टोर रूम के काम के लिए किया जा रहा था। हादसे के बाद शनिवार देर रात से ही छात्रों ने प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन शुरू किया, जो सुबह से देर शाम तक जारी रहा।

भाजपा सांसद जगदम्बिका पाल का फूल मालाओं के साथ स्वागत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। डुमरियागंज के सांसद भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता जगदम्बिका पाल के बस्ती आगमन पर एपीएन पी.जी. कालेज के पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष अमन प्रताप सिंह के नेतृत्व में शिव हर्ष किसान पी.जी. कालेज के निकट फूल मालाओं के साथ स्वागत किया गया। इसी कड़ी में पार्टी नेता एवं पूर्व प्रमख कृष्ण चन्द्र सिंह के नेतृत्व में बस्ती सुगर मिल के कर्मचारियों ने सांसद जगदम्बिका पाल को ज्ञापन सौंपा। सूर्यमणि चतुर्वेदी, जनार्दन सिंह, सूबेदार सिंह, चंदन सिंह, सौरभ आदि सांसद श्री पाल को बताया कि जब तक मिल कर्मचारियों का बकाया भुगतान मिल प्रबंधन नहीं कर देता है तब तक हम शुगर मिल का कोई भी सामान

–मिल कर्मचारियों ने सौंपा ज्ञापन

बाहर नहीं ले जाने देंगे। इस मामले में जिला प्रशासन ने मिल कर्मचारियों से मिलकर आश्वासन दिया है कि मिल कर्मचारियों का बकाया भुगतान कराया जाएगा लेकिन मिल प्रबंधन कर्मचारियों के ऊपर अनावश्यक दबाव बनाकर धरने को समाप्त करना चाह रहा है लेकिन कर्मचारी लगातार धरना जारी रखे हुए हैं। सांसद जगदम्बिका पाल ने मिल कर्मचारियों को आश्वासन दिया कि समस्या का प्रभावी निराकरण कराया जायेगा।

सांसद जगदम्बिका पाल का स्वागत करने वालों में संजय सिंह, ध्रुवचन्द्र सिंह, गोपाल यादव, पंकज सिंह, राज बहादुर, राजेन्द्र सिंह, ऋषभ प्रताप सिंह के साथ ही अनेक भाजपा कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक शामिल रहे।

बुलडोजर पर भड़के भाजपा विधायक सुरेन्द्र अधिकारियों को दिया देख लेने की चेतावनी

कानपुर (आभा)। कानपुर जिले में मौजूद एक बस्ती में एक हफ्ते के अंदर झोपड़ी और मकान को खाली कराने के नोटिस लगे तो हड़कंप मच गया। बात जब भाजपा विधायक तक पहुंची तो वह भी मौके पर पहुंच गए। नोटिस देखकर भाजपा विधायक भड़क गए और संबंधित अफसर को फोन मिला दिया। विधायक ने फोन पर ही अफसर को लताड़ लगानी शुरू कर दी। विधायक ने चेतावनी देते हुए कहा, कि अगर इस बस्ती पर किसी ने नजर उठाई तो बुलडोजर समेत सबको नहर में घुसेड़ देंगे। विधायक ने अफसर को सारी नोटिस को फड़वाने के लिए भी कहा। विधायक का वीडियो अब सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है।

मामला गोविंदनगर की विवेकानंद नगर बस्ती का है। यहां पांच सौ ज्यादा परिवारों को एक हफ्ते में झोपड़ी, मकान खाली करने का मकानों पर सिंचाई विभाग की ओर से नोटिस चस्पा किया गया है। इसकी सूचना

मिलने पर भाजपा विधायक सुरेंद्र मैथानी लोगों से मिलने पहुंच गए। घरों पर लगे नोटिस और बुलडोजर खड़ा देखकर भाजपा विधायक का पारा चढ़ गया। विधायक ने तुरंत सिंचाई विभाग के अधिशाषी अभियंता मनोज सिंह को फोन मिलाया। फोन पर विधायक ने साफ शब्दों में कहा कि किसी को भी बेघर नहीं किया जाए। अगर ऐसा हुआ तो तुमको बुलडोजर समेत नहर में घुसेड़ देंगे।

विधायक ने आगे कहा, यहां तुमने पूरी बस्ती में नोटिस लगाए हैं। यहां पर अगर तुमने आगे कोई कदम उठाया और कोई यहां बुलडोजर आया तो तुम्हारा और तुम्हारी कंपनी और तुम्हारे बुलडोजर तीनों का स्वागत मैं करूंगा। मुझसे निपट लेना तब तुम बस्ती में आना। विधायक ने फोन पर अफसर को चेतावनी देते हुए कहा, कि ये गंदा काम बंद कर दो। मोदी जी योगी जी लोगों को घर दे रहे हैं और तुम उजड़वा दोगे क्या? इतनी हिम्मत हो जाएगी क्या? बुलडोजर और सबको घुसड़वा दूंगा इसी नहर में। यहां पर किसी को छू न लेना। नोटिस फड़वाकर फिंकवा दो। बोल दिया है मैंने यहां सब फड़वाके फिंकवा रहा हूं। बुलडोजर आना नहीं चाहिए और तुम्हारा एक भी आदमी दिखना नहीं चाहिए और दिख गया तो समझ लेना फिर। बिल्कुल साफ भाषा में समझ लो। तुम हमारी आवाज को रिकॉर्ड कर लो ये आगे काम आएगी तुम्हारे। विधायक बोले–हम नहर को पक्की बनवाने के लिए लगे हैं। नहर पक्की बन जाएगी तो गरीब आदमी का भला हो जाएगा और तुम लोग सबकुछ उजाड़ने पर लगे हो। विधायक ने आगे कहा, यहां आओगे तो दो–दो हाथ हमसे करना। विधायक बार–बार अफसर को फोन पर चेतावनी देते नजर आए। उन्होंने कहा, दोबारा यहां कोई घुस न जाए, वरना उत्तर प्रदेश के सदन को छोड़कर यहां पहुंच जाऊंगा। यहां गरीबों के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए।

हार की कुंठा निकालने में लगा है विपक्ष- अनिल राजभर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय पर केंद्रीय बजट 2024 को लेकर जनसमर्थन के लिए आयोजित कार्यक्रम में कैबिनेट मन्त्री अनिल राजभर ने कहा कि बजट 2024 भाजपा के चुनावी घोषणा पत्र पर आधारित है। जनता से किए गए हर वायदे को पूरा करने का रोडमैप तैयार किया गया है। यह बजट विकसित भारत की गारंटी का बजट है। कहा कि विपक्ष हार की कुण्डा निकालने में व्यस्त है। बताते चले की बस्ती में पहुंचे श्रम एवं सेवायोजन, समन्वय विभाग के कैबिनेट मन्त्री अनिल राजभर ने सर्किट हाउस में पत्रकारों के साथ केन्द्रीय बजट पर प्रेस वार्ता किया। उसके बाद भाजपा कार्यालय पहुँच कर प्रस्तावित केन्द्रीय बजट पर गोष्ठी को सम्बोधित किया। कार्यक्रम का संचालन भाजपा नेता अमृत कुमार वर्मा ने किया। कार्यक्रम

– भाजपा नेताओं ने किया बजट पर विमर्श

में पूर्व सांसद अष्टभुजा शुक्ल, पूर्व जिलाध्यक्ष पवन कसौधन, सुशील सिंह, यशकांत सिंह, महेश शुक्ल, राजेंद्र गौड़, चन्द्र शेखर मुन्ना, रवि सोनकर, अंकुर वर्मा, राकेश श्रीवास्तव, शिव पूजन राजभर ने बजट पर अपने विचार व्यक्त किये।

मुख्य अतिथि ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। नौजवानों को अनगिनत नये अवसर देने वाला बजट है। कैबिनेट मन्त्री ने कहा कि छोटे व्यापारियों की बात रखी गयी है। सूक्ष्म और मध्यम वर्ग के व्यापारियों का भारत की प्रगति में विशेष योगदान रहा है। ऐसे में एमएसएमई में आने वाले व्यापारियों और कार्यरत लोगों की समस्याओं के निदान को बजट में विशेष योजनाओं के माध्यम से प्रावधान किया गया है।

अध्यक्षता कर रहे जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने कहा कि इस बजट में नये रोजगार और स्वरोजगार अवसरों की अपार सम्भावनाये है।

इस मौके पर सुखराम गौड़, राना दिनेश प्रताप सिंह, सुरेन्द्र सिंह, आत्मा प्रसाद पाठक, श्रीश पाण्डेय, शैलेन्द्र दुबे, अभिनव उपाध्याय, राधेश्याम कमलापुरी, गजेन्द्र सिंह, नितेश शर्मा, अरविन्द श्रीवास्तव, सुनील सिंह, अमित शुक्ल, चन्द्र मणि पाण्डेय सुदामा, अश्वनी उपाध्याय, अनुपम पाण्डेय, कुमकुम भारती, ध्रुव नारायण सिंह, विनय मिश्र, आकाश कसौधन, चंद्रभान गुप्ता सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

इटवा से विधायक माता प्रसाद पाण्डेय विधानसभा नेता प्रतिपक्ष बने

लखनऊ (आभा)। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने नए नेता प्रतिपक्ष के लिए सपा विधायक माता प्रसाद पाण्डेय के नाम का ऐलान किया है। वे अब विधानसभा में सरकार से सवाल–जवाब करेंगे। इसके अलावा तीन और विधायकों को नई जिम्मेदारी सौंपी है। अखिलेश यादव ने अमरोहा से विधायक महबूब अली को अधिष्ठाता मंडल, हसनपुर से विधायक कमाल अख्तर को मुख्य सचेतक और प्रतापगढ़ जिले के रानीगंज विधानसभा क्षेत्र से विधायक राकेश कुमार उर्फ डॉक्टर आरके वर्मा को उप सचेतक बनाया है।

बतादें कि अभी विधानसभा नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी सपा प्रमुख अखिलेश यादव संभाल रहे थे, लेकिन कन्नौज लोकसभा सीट से सांसद चुने जाने के बाद अखिलेश ने विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद ये पद खाली हो गया था। 29 जुलाई से विधानसभ में मानसून सत्र भी शुरू हो रहा है ऐसे में नेता प्रतिपक्ष को लेकर चर्चा शुरू गई थी। नेता प्रतिपक्ष के नाम के ऐलान को लेकर अखिलेश यादव ने रविवार को सपा विधानमंडल दल की एक बैठक बुलाई थी।

इस बैठक में इंद्रजीत सरोज व राम अचल राजभर, सरोज, शिवपाल यादव जैसे नेताओं का नाम भी नेता प्रतिपक्ष के लिए रखा गया था, लेकिन इस रेस में माता प्रसाद पांडेय ने बाजी मार ली।

नए नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पाण्डेय सिद्धार्थनगर जिले के इटवा विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं। माता प्रसाद का जन्म 31 दिसंबर 1942 में हुआ था। माता प्रसाद यूपी विधानसभा में पहले दो बार अध्यक्ष भी रह चुके हैं।

यूपी विधानमंडल का मॉनसून सत्र सोमवार से शुरू होने जा रहा है। इस सत्र में खासा हंगामा होने के आसार हैं।

लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद पहली बार हो रहे इस सत्र में मुख्य विपक्षी दल सरकार को घेरने के लिए खासे आक्रामक तेवर दिखाने की तैयारी में हैं तो सरकार भी विपक्ष के आरोपों का माकूल जवाब देने की तैयारी में है।

विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना रविवार शाम को विधानभवन में सर्वदलीय बैठक बुलाई है। इसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अलावा अन्य दलों के नेता शामिल होंगे। इसके पहले कार्यमंत्रणां समिति की बैठक में सदन के कार्यक्रम को मंजूरी दी जाएगी। भाजपा विधानमंडल दल की बैठक सोमवार को सुबह 9.30 पर होगी।

निशानेबाज मनु भाकर ने पेरिस ओलंपिक में भारत का मेडल का खाता खोला

नई दिल्ली (आभा)। निशानेबाज मनु भाकर ने रविवार को पेरिस ओलंपिक 2024 में भारत का मेडल का खाता खोला। उन्होंने महिलाओं के 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट में ऐतिहासिक ब्रॉन्ड मेडल जीता। वह ओलंपिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला निशानेबाज बन गई हैं। भारत ने 12 साल बाद निशानेबाजी में ओलंपिक मेडल हासिल किया है। रियो ओलंपिक 2016 और टोक्यो ओलंपिक से भारतीय निशानेबाज खाली हाथ लौटे थे।

दूसरी बार ओलंपिक में उतरीं 22 वर्षीय मनु आठ निशानेबाजों के फाइनल में 221.7 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। भारतीय निशानेबाज जब बाहर हुईं तो दक्षिण कोरिया की येजी किम से सिर्फ 0.1 अंक पीछे थीं। येजी (241.3 अंक) को सिल्वर मिला। उनकी हमवतन ये जिन ओह ने 243.2 अंक के फाइनल के ओलंपिक रिकॉर्ड स्कोर के गोल्ड पर कब्जा जमाया।

मनु ओलंपिक में मेडल जीतने वाली पांचवीं भारतीय निशानेबाज हैं। भारत ने ओलंपिक में सबसे पहला मेडल 2004 में एथेंस ओलंपिक में जीता था। तब राजवर्धन सिंह राठौर ने डबल ट्रैप इवेंट में सिल्व हासिल किया था। अभिनव बिंद्रा ने 2008 में बीजिंग में 10 मीटर एयर राइफल में गोल्ड पर निशाना लगाया था। यह भारत के लिए किसी व्यक्तिगत खेल में पहला स्वर्ण था। विजय कुमार ने 2012 में लंदन में 25 मीटर पुरुष पिस्टल इवेंट में सिल्वर जीता था। गगन नारंग ने लंदन ओलंपिक में 10

मीटर एयर राइफल में ब्रॉन्ज अपने नाम किया था।मनु ने क्वॉलिफाइंग राउंड में ने दमदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने अपनी छह श्रृंखलाओं में सटीक निशानेबाजी का प्रदर्शन करते हुए 580 अंक प्राप्त किए। उनके 97, 97, 98, 96, 96 और 96 के स्कोर ने उन्हें लगातार शीर्ष पर बनाए रखा लेकिन वह आखिर में टॉप–3 में रहीं। बता दें कि मनु टोक्यो ओलंपिक में मेडल जीतने से चूक गई थीं। वह टोक्यो में पिस्टल में खराबी के कारण फाइनल में एंट्री करने में विफल रही थीं। वह टोक्यो में 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट में 12वें जबकि 25 मीटर पिस्टल इवेंट में 15वें स्थान पर रही थीं।

यूपी विधानसभा का मानसून सत्र सोमवार से

लखनऊ (आभा)। 29 जुलाई से शुरू हो रहे विधानमंडल मॉनसून सत्र से पहले स्पीकर सतीश महाना ने सभी दलीय नेताओं के साथ बैठक की। विधानसभा अध्यक्ष ने दलीय नेताओं से कहा कि वह सदन में अपना पक्ष शालीनता एवं संसदीय मर्यादा के अन्तर्गत रखते हुए प्रेमपूर्ण वातावरण में सदन में बहस करें। रविवार को हुई सर्वदलीय बैठक में मुख्यमंत्री को भी शामिल होना था लेकिन वह समय से नहीं पहुंच सके। सतीश महाना ने कहा कि सदन में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच सार्थक चर्चा होनी चाहिए। सतीश महाना ने नवनियुक्त नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडे को बधाई देते हुए कहा कि उनके लम्बे राजनीतिक अनुभव का लाभ प्रदेश की विधानसभा को मिलेगा।

किसके संरक्षण में चल रही हैं डबल डेकर बसें..?

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। उन्नाव में हुये भीषण सड़क हादसे में 40 लोगों की जान चली गई थी। ये हादसा डबल डेकर बस से हुआ है। जांच हुई तो बस का संचालन मानकों पर न होना पाया गया। लेकिन इतने बड़े हादसे से सबक लेकर डबल डेकर बसों के खिलाफ कार्यवाही करने की बजाय स्थानीय प्रशासन स्कूल बसों के पीछे पड़ा है। दरअसल इस सख्ती से जिम्मेदार अफसर विभाग की असल कमियों पर परदा डालना चाहते हैं।

उक्त बातें यहां प्रेस को जारी विज्ञप्ति में राष्ट्रीय मानवाधिकार सेवा ट्रस्ट के प्रदेश मीडिया प्रभारी महेन्द्र श्रीवास्तव ने कहीं। उन्होन स्थानीय प्रशासन एवं परिवहन विभाग के अफसरों से स्कूल बसों का निरीक्षण किये जाने के साथ ही डबल डेकर बसों पर भी शिकंजा कसने की मांग किया है। महेन्द्र श्रीवास्तव ने कहा बिहार और अन्य प्रान्तों की बसें बस्ती आरटीओ आफिस में आकर रजिस्टर की जाती हैं। इससे महकमे के भ्रष्टाचार का अंदाजा लगाया जा

सकता है। बस्ती का फर्जी नाम पता दिखाकर दर्जनों डबल डेकर बसों का अवैध संचालन विभागीय अफसरों की मिलीभगत से हो रहा है।

हैरानी इस बात की है कि जिला प्रशासन का ध्यान बिलकुल इधर नही है। महेन्द्र श्रीवास्तव ने विभाग के जिम्मेदार अफसरों से लिखित सूचना देकर कहा है कि हाल ही में महाराष्ट्र से आईं दो बसों (एमएच 04 जीपी 0099 तथा एमएच 04 जीपी 0999 के मालिक बस्ती में इसे रजिस्टर्ड कराना चाहते हैं, इसे रोका जाना निहायत जरूरी है। बस्ती के अफसरों की लचर व्यवस्था के चलते दूसरे प्रान्तों से आकर यहां लोग भ्रष्टाचार की जड़ों में पानी डाल रहे हैं। इस पर रोक नही लगी तो अफसरों का काला चिट्ठा सामने लाया जायेगा।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 29 जुलाई 2024 सोमवार

सम्पादकीय

नशे का धंधा और समाज

शराब से लेकर चरस, अफीम, गांजा आदि का नशा करने की आदत समूचे विश्व में व्याप्त है परन्तु अलग—अलग देशों में और क्षेत्रों में इसकी मात्रा में भिन्नता है। भारत में भी नशे का संसार काफी फैला हुआ है। परन्तु पंजाब में तो नशे ने सीमाएं पार कर रखी हैं। पंजाब में नशे को लेकर कुछ ही वर्ष पूर्व एक फिल्म भी बनी जिसका नाम था 'उड़ता पंजाब'। पाकिस्तान से लगती सीमाओं पर कंटीली तारें कई दशकों से जीरो लाइन पर बनने के स्थान पर भारत की सीमाओं के अंदर बांधी गई हैं, कहीं—कहीं पर तो ये तारें जीरो लाइन से एक किलोमीटर से भी अधिक भारत की तरफ देखी जाती हैं। यदि इन तारों को जीरो लाइन पर ही लगा दिया जाए तो नशीले पदार्थों की तस्करी भी रोकी जा सकती है।

पाकिस्तान से आने वाला नशा एक और मायने में बड़ा भयंकर है जिसे 'चिट्टा' कहा जाता है। यह 'चिट्टा' वास्तव में एक सिंथैटिक नशा है जो अत्यन्त हानिकारक रासायनिक पदार्थों से बनता है। इसका नशा शरीर के अंदर सारे तंत्रों को तीव्र गति से हानि पहुंचाता है। इन्हीं कारणों से पंजाब का नशा सारी दुनिया में फैले नशे की समस्या से अधिक गम्भीर है। नशे के कारण व्यक्ति सबसे पहले तो अपने घर का ही धन बर्बाद करता है। धन पर रोक लगती है तो वह सबसे पहले अपने घर में ही चोरियां शुरू करता है। इसके बाद नशे का प्रभाव समाज को भी झेलना पड़ता है क्योंकि नशा करने वाला व्यक्ति समाज में भी अपराध का खिलौना जल्दी बन जाता है। नशे के कारण व्यक्ति किसी व्यापार या नौकरी के लायक भी नहीं रहता। यह बेरोजगारी और अपराध तीसरे स्तर पर सरकार के लिए भी एक समस्या बन जाते हैं।

पुलिस, प्रशासन, समाजसेवा आदि जैसे सरकारी विभागों को सामूहिक रूप से एक नीति का निर्माण करना चाहिए कि जितना संघर्ष उन्हें नशा करने वाले व्यक्ति के अपराधों के प्रबंधन में करना पड़ता है, उससे कम प्रयास से नशे के वितरण प्रणाली को ही क्यों न समाप्त किया जाए। इसके लिए सरकारी स्तर पर एक मजबूत और लक्ष्यबद्ध इच्छाशक्ति की आवश्यकता है। नशे की आदत डालने के बाद हमारे समाज को जितना संघर्ष करना पड़ता है, यदि नशे के विरुद्ध चेतावनी देने के प्रयास छोटी अवस्था के बच्चों में ही पूरी चेतना जागृत करने के उद्देश्य से प्रारम्भ कर दिए जाएं तो इसके बड़े सुंदर परिणाम निकल सकते हैं। इसके लिए स्कूलों के अध्यापकों और धार्मिक स्थलों के विद्वानों को विशेष प्रयास प्रारम्भ करने चाहिएं। उससे भी पहले ये प्रयास घरों में ही अपने बच्चों की चेतना जागृत करने के लिए माता—पिता तथा घर के अन्य वृद्धजनों के द्वारा प्रारंभ कर दिए जाने चाहिएं।

सामाजिक संस्थाएं घर—घर अभियान चलाकर छोटी—छोटी पुस्तिकाओं के माध्यम से तथा वार्तालाप के माध्यम से छोटे और युवा होते बच्चों की नशा के विरुद्ध चेतना जागृत करें। मैं स्वयं जब भी किसी शिक्षण संस्थान में जाता हूं तो अपने उद्बोधन में पर्यावरण सुरक्षा, माता—पिता की सेवा और नैतिकता की अनेकों बातों के बीच नशों के विरुद्ध अवश्य ही चर्चा करता हूं और बच्चों से भविष्य में नशा न करने का संकल्प करवाता हूं। बच्चों पर स्कूलों और धर्मस्थलों से मिली शिक्षा की गहरी छाप पड़ती है। इसलिए हम सबको मिलकर नशों के विरुद्ध चेतना को अपने बच्चों की शिक्षा का अंग बना देना चाहिए, नहीं तो इन नशों के कारण हमारे समाज की जवानी पूरी तरह से समाप्त होने के कगार पर पहुंच जाएगी।

स्कूलों में बच्चों को लेकर नशे की हानियों के संबंध में डिबेट करवाई जाए, चित्र प्रतियोगिता करवाई जाए, बच्चों के घरों के अनुभवों पर उनके विचार सुने जाएं, बच्चों की गली—गली रैलियां निकाली जाएं और बच्चों को ऐसे अभियानों में खुलकर प्रोत्साहित किया जाए तो आज दिखाई देने में यह छोटा—सा प्रयास कुछ ही वर्षों में पंजाब की तस्वीर बदल सकता है। बच्चे खुद तो प्रेरित होंगे ही बल्कि घर जाकर अपने वृद्धजनों को भी शराब के विरुद्ध सचेत करने का कार्य करते रहेंगे। नशे से बरबाद हो रहे लोगों को बचाना होगा।

प्रकृति, शिव और समाज को जोड़ती कांवड़ यात्रा

—डॉ. आशीष वशिष्ठ—

कांवड़ का अर्थ है परात्पर शिव के साथ विहार। अर्थात् ब्रह्म यानी परात्पर शिव, जो उनमें रमण करे वह कांवड़िया। प्रत्येक वर्ष श्रावण मास में लाखों की तादाद में कांवड़िए दूर—दराज से आते हैं और अपने आस—पास के स्थानों से गंगा जल भरते हैं, तत्पश्चात् पदयात्रा कर अपने—अपने स्थानों को वापस लौट जाते हैं।

इसी यात्रा को कांवड़ यात्रा कहा जाता है। फिर चतुर्दशी के दिन उस गंगा जल से अपने के आसपास शिव मंदिरों में शिव का अभिषेक किया जाता है, और शिव जी से अपनी और अपनों की सुख शांति की प्रार्थना की जाती है। कहने के लिए तो ये बस एक धार्मिक आयोजन मात्र है, लेकिन इसका सामाजिक और धार्मिक महत्व बहुत है। इसका सामाजिक सरोकार भी हैं।

कांवड़ के माध्यम से जल की यात्रा का यह पर्व सृष्टि रूपी शिव की आराधना के लिए है। जल आम आदमी के साथ—साथ पेड़—पौधों, पशु—पक्षियों, धरती में निवास करने वाले हजारों—लाखों तरह के कीड़े—मकोड़ों और समूचे पर्यावरण के लिए बेहद आवश्यक तत्व है। उत्तर भारत की भौगोलिक स्थिति को देखें तो यहां के मैदानी इलाकों में मानव जीवन नदियों पर ही आश्रित है।

कांवड़िए जलस्रोत से एक बार जल भरकर उसे अभीष्ट कर्म के पूर्व अर्थात् शिवजी को अर्पण करने के पहले भूमि पर नहीं रखते हैं। इसके मूल में भावना यह है कि जलस्रोत से प्रभु को सीधे जोड़ा है जिससे धारा प्राकृतिक रूप से उन पर बनी रहे एवं उनकी कृपा हमारे ऊपर भी सतत् धारा के अनुसार बहती रहे जिससे संसार सागर को सुगमता से पार किया जा सके।

भोलेनाथ के भक्त यूं तो साल भर कांवड़ चढ़ाते रहते हैं, लेकिन सावन में इसकी धूम कुछ ज्यादा ही रहती है क्योंकि यह मास भगवान शिव को समर्पित है। अब तो उत्तर भारत में खासतौर पर दिल्ली—एनसीआर, पश्चिमी व पूर्वी यूपी में कांवड़ यात्रा एक पर्व कुंभ मेले के समान एक महाआयोजन का रूप ले चुकी है। काशी और देवघर में भी कांवड़ यात्रा का खासा महत्व है। पिछले डेढ़ दशक में कांवड़ यात्रा की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है।

बहुत कम लोग जानते हैं कि भगवान शिव पर सबसे पहले कांवड़ किसने चढ़ाया और इसकी शुरुआत कैसे हुई। कुछ कथाओं के भगवान परशुराम ने अपने आराध्य देव शिव के नियमित पूजन के लिए पुरा महादेव में मंदिर की स्थापना कर कांवड़ में गंगाजल से पूजन कर कांवड़ परंपरा की शुरुआत की, जो आज भी देशभर में काफी प्रचलित है।

कांवड़ की परंपरा चलाने वाले भगवान परशुराम की पूजा भी श्रावण मास में की जानी चाहिए। पौराणिकता मान्यता है कि कांवड़ यात्रा एवं शिवपूजन का आदिकाल से ही अन्योन्याश्रित संबंध है। महाकवि कालिदास ने हिमालय को शिव का प्रतिरूप बताते हुए इसके सांस्कृतिक, भौगोलिक और धार्मिक महत्त्व को रेखांकित किया है। यों भी कह सकते हैं कि कांवड़ यात्रा शिव के कल्याणकारी रूप और निष्ठा के नीर से उसके अभिषेक को तीव्र रूप में प्रतिध्वनित करती है।

उत्तर भारत में भी गंगाजी के किनारे के क्षेत्र के प्रदेशों में कांवड़ का बहुत महत्व है। राजस्थान के मारवाड़ी समाज के लोगों के यहां गंगोत्री, यमुनोत्री, केदारनाथ, बदरीनाथ के तीर्थ पुरोहित जो जल लाते थे और प्रसाद के साथ जल देते थे, उन्हें कांवड़िए कहते थे। ये लोग गोमुख से जल भरकर रामेश्वरम में ले जाकर भगवान शिव का अभिषेक करते थे।

दरअसल, यह एक प्रचलित परंपरा थी। लगभग 6 महीने की पैदल यात्रा करके वहां पहुंचा जाता था। इसका पौराणिक तथा सामाजिक दोनों महत्व है। इससे एक तो हिमालय से लेकर दक्षिण तक संपूर्ण देश की संस्कृति में भगवान का संदेश जाता था। इसके अलावा भिन्न—भिन्न क्षेत्रों की लौकिक और शास्त्रीय परंपराओं के आदान—प्रदान का बोध होता था, लेकिन अब इस परंपरा में परिवर्तन आ गया।

कांवड़ यात्रा का धार्मिक महत्व तो जगजाहिर है, लेकिन इस कांवड़ यात्रा से वैज्ञानिकों ने उत्तम स्वास्थ्य भी जोड़ दिया है। प्रकृति के इस खूबसूरत मौसम में जब चारों तरफ हरियाली छाई रहती है तो कांवड़ यात्री भोलेनाथ को जल चढ़ाने के लिए पैदल चलते हैं। पैदल चलने से हमारे आसपास के वातावरण की कई चीजों का सकारात्मक प्रभाव हमारे मनमस्तिष्क पर पड़ता है। चारों तरफ फैली हरियाली आंखों की रोशनी बढ़ाती है। वहीं ओस की बूंदे नंगे पैरों को ठंडक देती हैं तथा सूर्य की किरणें शरीर को रोगमुक्त बनाती हैं।

ये यात्रा प्रकृति और मानव के संबंधों में नई उष्मा, निकटता एवं प्रेम को बढ़ाती है। डॉक्टरों के मुताबिक धार्मिक चेतना से मानव जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। कांवड़ यात्रा स्वास्थ्यप्रद होती है। पैदल, नाचते—गाते और दौड़ लगाते हुए शिवभक्त जाते हैं। इससे शरीर में खुशी के हार्मोंस जेनरेट होते हैं। व्यक्ति तनाव मुक्त हो जाता है। पैदल चलने से मांसपेशियां मजबूत होती हैं और हार्ट और फेफड़ों को शुद्ध ऑक्सीजन मिलती है।

पवित्र गंगा को स्वर्ग अर्थात् पहाड़ों से पृथ्वी अर्थात् मैदानी इलाकों में लाने के लिए महान शिव के द्वारा जिस श्रमदान का आयोजन किया गया वह उस समय अत्यंत दुष्कर कृत्य रहा होगा। पर्वतों के बीच गमन करना और श्रमदान करना निश्चित ही कोई सुगम कार्य नही रहा होगा। कितने ही किसान—श्रमिक कर्तव्य की बलिवेदी पर न्योछावर हुए होंगे।

यह बात वह शिव भक्त कांवड़िये आसानी से समझ सकते हैं जो गोमुख या उसके भी ऊपर ऊंचाइयों से जल लाने हेतु पैदल पद यात्रा करते हैं। उसी महान श्रमदान की स्मृति आज भी कांवड़ के विशाल आयोजन में संरक्षित दिखाई पड़ती है।

संभवतः हताहत तथा कालकलवित हुए कृषकों व श्रमिकों की आत्मा की शांति की कामना के लिए उसी पवित्र जल से शिव को जलाभिषेक करने की उज्जवल परम्परा का विकास कांवड़ यात्रा मे कहीं न कहीं दृष्टिगोचर होता है। इस तथ्य से यह भी जाना जा सकता है कि जो जल हमें आज इतनी आसानी से प्राप्त है वह कितना मूल्यवान है।

नदियों से दूर—दराज रहने वाले लोगों को पानी का संचय करके रखना पड़ता है। हालांकि मानसून काफी हद तक इनकी आवश्यकता की पूर्ति कर देता है तदापि कई बार मानसून का भी भरोसा नहीं होता है।

ऐसे में बारहमासी नदियों का ही आसरा होता है, इसके लिए सदियों से मानव अपने इंजीनियरिंग कौशल से नदियों का पूर्ण उपयोग करने की चेष्टा करता हुआ कभी बांध तो कभी नहर तो कभी अन्य साधनों से नदियों के पानी को जल विहिन क्षेत्रों में ले जाने की कोशिश करता रहा है। लेकिन आबादी का दबाव और प्रकृति के साथ मानवीय व्यभिचार की बदौलत जल संकट बड़े रूप में उभर कर आया है।

धार्मिक संदर्भ में कहें तो इंसान ने अपनी स्वार्थपरक् नियति से शिव को रूष्ट किया है। कांवड़ यात्रा का आयोजन अति सुन्दर बात है। कांवड़ यात्रा में शामिल हर कांवड़िए को इस महत्वपूर्ण यात्रा महत्ता व अंतर्निहित संदेश को समझना होगा। प्रतीकात्मक तौर पर कांवड़ यात्रा का संदेश इतना भर है कि आप जीवनदायिनी नदियों के लोटे भर जल से जिस भगवान शिव का अभिषेक कर रहे हैं वे शिव वास्तव में सृष्टि का ही दूसरा रूप हैं।

वास्तव में, धार्मिक आस्थाओं के साथ सामाजिक सरोकारों से रची कांवड़ यात्रा वास्तव में जल संचय की अहमियत को उजागर करती है। कांवड़ यात्रा की सार्थकता तभी है जब आप जल बचाकर और नदियों के पानी का उपयोग कर अपने खेत—खलिहानों की सिंचाई करें और अपने निवास स्थान पर पशु—पक्षियों और पर्यावरण को पानी उपलब्ध कराएं तो प्रकृति की तरह उदार शिव सहज ही प्रसन्न होंगे। विभिन्न धर्माचार्यों का भी यही मत है शिव की सच्ची उपासना केवल पर्यावरण संरक्षण व संवर्धन से ही संभव है। कलियुग में विषपान करने के लिए शिव ने ही पौधों का रूप लिया है। गंगा सहित सभी नदियां शिव की तरह जीवनदायिनी हैं। इन्हें बचाना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है।

राहुल की मेहनत पर पानी फेरती गुटबाजी

— तनवीर जाफरी—

देश के सबसे प्राचीन राजनैतिक संगठन कांग्रेस ने जितनी बार विभाजन व विघटन सामना किया है उतना किसी दूसरे राजनैतिक दल को नहीं करना पड़ा। केवल विभाजन ही नहीं बल्कि कांग्रेस पार्टी के जितने अवसरवादी,सत्ता लोलुप व विचार विहीन नेताओं ने दल बदल किया है और पार्टी छोड़ कर इधर उधर गए हैं उतने दल बदलू नेता भी किसी अन्य पार्टी में नहीं मिलेंगे। और विगत एक दशक से तो सत्ता ने कांग्रेस विरोध का जो तरीका निकाला है उसे देखकर तो लगता ही नहीं कि कांग्रेस का शराजनैतिक विरोधश किया जा रहा है। बल्कि ऐसा प्रतीत हो रहा है कि कांग्रेस विरोध को व्यक्तिगत रंजिश व दुश्मनी के रूप में पेश किया जा रहा है। उदाहरण के तौर पर शकांग्रेस मुक्त भारत श का नारा देना, कई कांग्रेस शासित सरकारों को डरा धमकाकर या लालच देकर गिराना व अपनी सरकार बनाना,कांग्रेस के अनेक नेताओं को किसी न किसी आरोप में उलझाकर उन्हें हतोत्साहित करने की कोशिश करना,राहुल गाँधी की लोकसभा सदस्ता रद्द करना,उनसे बांग्ला खाली करवा लेना,उनपर कई जगहों से मुकद्दमे कायम कराना, चुनाव पूर्व कांग्रेस के खाते फरीज करवाना,ई डी ,सी बी आई आदि का भय दिखाकर अनेक कांग्रेस नेताओं को अपने पाले में लाना, नेहरू गाँधी परिवार पर तरह तरह के झूठे लांछन लगाना, स्वयं दस वर्षों से सत्ता में रहने के बावजूद देश की अनेक समस्याओं के लिये नेहरू को जिम्मेदार ठहराना,राहुल गाँधी को 'पप्पू' साबित करने के लिये करोड़ों खर्च करना व भाजपा आई टी सेल द्वारा तरह तरह के हथकंडे अपनाते हुये कांग्रेस को सनातन विरोधी,हिन्दू विरोधी बताना कांग्रेस पर मुस्लिम तुष्टीकरण व पाक परस्त होने का दुष्प्रचार करना जैसी तमाम बातें हैं जो इस नतीजे पर पहुँचने के लिये काफी हैं कि भारतीय जनता पार्टी के वर्तमान शीर्ष नेतृत्व ने कांग्रेस को समाप्त करने में अपनी तरफ से कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी।

सत्तारूढ़ भाजपा के इसी कांग्रेस विरोधी दुष्प्रचार का परिणाम था कि 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस भारतीय इतिहास में अब तक सबसे कम यानी मात्र 52 सीटें ही जीत सकी। और इसी बहाने भाजपा ने कांग्रेस का विपक्ष के नेता के पद का दावा भी स्वीकार नहीं किया। कारण बताया गया कि विपक्ष के नेता के पद का दावा करने के लिए कांग्रेस आवश्यक 10: सीटें पाने में विफल रही है। उसके बाद राहुल गाँधी ने सत्ता से डटकर मुकाबला किया। कई ज्वलंत मुद्दे उठाये। पूरे देश में दक्षिण से उत्तर यानी कन्याकुमारी से श्रीनगर व पूरब से पश्चिम अर्थात मणिपुर से मुंबई तक की 10,000 किलोमीटर से भी अधिक की दूरी तय की। राहुल ने इस दौरान समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों से मुलाकात की। इन यात्राओं में राहुल के साथ देश की अनेकानेक प्रमुख हस्तियां भी शामिल हुईं। उन्हें यह पद यात्रा खासतौर पर इसलिये करनी पड़ी क्योंकि देश का मीडिया सत्ता के आगे दंडवत हो चुका है। मीडिया विपक्ष की आवाज बनना या जनता की आवाज उठाना तो दूर उल्टे विपक्ष को ही कटघरे में खड़ा करने की कोशिश में लगा रहता है। मुख्य धारा का कहा जाने वाला यही मीडिया है जिसने राहुल को पप्पू साबित करने में भाजपा व उसके आई टी सेल का पूरा साथ दिया। इसीलिये राहुल ने देश की जनता से स्वयं मिलने, व उनकी समस्याओं को सुनने का प्रयास किया। राहुल गाँधी के अनुसार 2024 का न्याय पत्र ध चुनाव घोषणापत्र भी उसी पदयात्रा के दौरान निकाले गये निष्कर्षों व जनता से मिले सुझावों पर ही आधारित है।

राहुल गांधी ने अपने इन्हीं अथक प्रयासों की बदौलत 2024 के लोकसभा चुनाव में न केवल कांग्रेस को 52 से बढ़ाकर लगभग 100 तक पहुँचाया है बल्कि यू पी ए की जगह नया इंडिया गठबंधन बनाकर भी सत्तारूढ़ भाजपा व राजग को कड़ी चुनौती दी है। पिछले 5 वर्षों में जितने नेताओं ने कांग्रेस छोड़ी है उतने नेता किसी अन्य पार्टी से पलायन करते तो उस दल का अस्तित्व ही समाप्त हो जाता। परन्तु राहुल गाँधी व प्रियंका गाँधी ने सोनिया गाँधी व कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के नेतृत्व में अपने कौशल का लोहा मनवाकर स्वयं को अजेय समझने की गलतफहमी पालने वाले नेताओं को बैकफुट पर धकेल कर उन्हें रक्षात्मक मुद्रा में ला खड़ा किया। कांग्रेस के इस पुनरुत्थान से पूरे देश के कांग्रेस कार्यकर्ताओं में तो जरूर जोश व उत्साह का संचार हुआ है परन्तु नेताओं की गुटबाजी है कि अभी भी कम होने का नाम नहीं ले रही है।

हर राज्य में कई कई मुख्यमंत्री पद के दावेदार हैं। हर नेता मुख्यमंत्री बनने के चक्कर में अपने अधिक से अधिक समर्थकों को टिकट दिलाना चाहता है भले ही वह विजयी होने की स्थिति में हो या न हो। कोई स्वयं मुख्यमंत्री रह चुका है तो वह अपने बेटे को मुख्यमंत्री बनाना चाह रहा है। जिसे पार्टी टिकट नहीं देती वह दूसरे दल में यहाँ तक कि विचारधारा के मामले में धुर विरोधी दलों तक में जाने से गुरेज नहीं करता। इस तरह के दलबदल से एक बात तो साफ हो ही जाती है कि ऐसे नेताओं का न तो कोई जमीर है न वैचारिक प्रतिबद्धता, न पार्टी के प्रति वफादारी का जज्बा और न ही इस बात की फिक्र कि वर्तमान दौर में गांधीवादी विचारधारा का प्रतिनिधित्व करने वाली कांग्रेस को समाप्त करने की साम्प्रदायिकतावादियों की साजिशों का मुकाबला करने के लिये राहुल व प्रियंका गाँधी द्वारा कितनीमेहनत की जा रही है। देश का कौन नेता है जो मोचियों से चप्पल सिलना सीखेऔर उनके दुःख दर्द पता करे ? फौजी, छात्र,लोको पायलट,कुली,मजदूर, किसान, सब्जी फरोश, ट्रक ड्राइवर, राज मिस्त्री, चाय वाला, टैम्पू चालक, खेतिहर मजदूर, स्कूटर मिस्त्री किस वर्ग से राहुल नहीं मिले ? उनकी इसी मेहनत का ही नतीजा है कि आज कांग्रेस पुनः वापसी की राह पर है। परन्तु उन नेताओं को जिनकी पहचान ही कांग्रेस नेता के रूप में बनी है जब वही लोग कांग्रेस पार्टी के समर्पित नेता व कार्यकर्त्ता बनाने के बजाये केवल अपने स्वार्थवश अपने अपने गुट के नेताओं को ही तरजीह देने लगेंगे तो कहना गलत नहीं होगा कि पार्टी की यह भीतरी गुटबाजी राहुल की मेहनत पर पानी फेरने का काम करेगी।

संकल्प दीर्घ लक्ष्य प्राप्ति का सन्मार्ग

—संजीव ठाकुर—

मनुष्य सदैव प्रयास करता है कि उसे लक्ष्य और सफलता जल्द से जल्द प्राप्त हो पर वस्तुतः ऐसा होता नहीं है, स्थाई सफलता के लिए कठोर श्रम, संकल्प, सहजता और विनम्रता सच्चे सन्मार्ग हैं जल्दी का काम शैतान का होता है ऐसा कहावतें कहती है, लक्ष्य प्राप्ति के लिए जीवन में निरंतर श्रम सहजता सरलता और संघर्ष के साथ संयम का बड़ा योगदान होता है। प्रत्येक व्यक्ति जीवन में सफलता प्राप्त करना चाहता है वह जीवन के हर सोपान में अपने आप को उत्तम स्थिति में रखना चाहता है। किंतु जीवन की सफलता मनुष्य के संघर्ष और उसके आचरण में अंतर्निहित विनम्रता पर भी निर्भर करती हैं। मनुष्य यदि सब कुछ प्राप्त करके भी वह विनम्र नहीं है तो उसका जीवन अधूरा है। रावण बहुत बड़ा विद्वान और शास्त्रों का ज्ञाता था किंतु उसके जीवन में और उसके आचरण में विनम्रता ना होकर दंभ और अहंकार समाविष्ट था, अतः वह अपने अहम और विनम्रता विहीन जीवन के कारण प्रभु श्री राम के हाथों मारा गया। विनम्रता मनुष्य का वह गुण है जो मनुष्य के निजी जीवन में समाजीकरण की प्रक्रिया में उसके द्वारा आत्मसात किया जाता है। मनुष्य मूलतः अहंकारी, स्वार्थी, लालची तथा पद प्राप्त करने वाला लोभी रूप होता है। किंतु धीरे—धीरे वह सामाजिक परिवेश में अपने आसपास के ज्ञानी ,साधु एवं सच्चे सद्गुणी नागरिकों के संपर्क में आकर अपने लोभ तथा लालच की अहंकारी गतिविधियों में सुधार लाकर सहिष्णु, सौहार्द, करुणा, सहयोग आदि गुणों को अपने में समाहित कर विनम्रता के सद्गुण को ग्रहण कर लेता है। विनम्रता सही मायने में सामाजिक अच्छाई की परिणति है। सद्गुण और विनम्रता महान लोगों के द्वारा ग्रहण किया हुआ वह अलंकार है जो उसे लोक तथा परलोक में सर्वमान्य रूप से स्थापित करता है। छोटा और तुच्छ व्यक्ति अपनी छोटी—छोटी गतिविधियों में रहकर अपने आप को सर्वशक्तिमान एवं सर्व ज्ञानी समझकर कुएं के मेंढक की तरह अधजल गगरी छलकत जावे की कहावत को सिद्ध करता है। महान तथा ज्ञानी व्यक्ति के व्यक्तित्व में विनम्रता झलकती है वह उसे प्रदर्शित करने से परहेज करते हैं क्योंकि विनम्रता उनके संपूर्ण व्यक्तित्व में समाहित होती है। विनम्रता किसी भी सज्जन व्यक्ति की जीवन की शैली होती है। महान और विनम्र व्यक्ति की प्रशंसा करने पर भी वे उसे स्वीकार न कर किसी दूसरे व्यक्ति को इसका श्रेय देते हैं। और अज्ञानी और छोटी सोच के कारण व्यक्ति अपने मियां मिट्ठू बनने से नहीं अघाते हैं। ज्ञानी व्यक्ति अपनी उपलब्धि को समाज की बेहतरी के लिए उपयोग में लाता है, ना कि उसे केवल अपने अथवा अपने करीबी या परिवार के लिए ही सीमित नहीं रखता है। विनम्र व्यक्ति सदा ज्ञान तथा सद्गुणों की खोज में रहता है एवं उसके जीवन में नई—नई उपलब्धियां अपने आप आने लगती हैं । जिस तरह फलदार वृक्ष सदैव झुके हुए होते हैं उसी तरह विनम्र और ज्ञानी व्यक्ति भी बहुत अधिक विनम्र तथा देश समाज और राष्ट्र के प्रति निष्ठावान होता है। भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ अब्दुल कलाम राष्ट्रपति के सर्वोच्च पद पर बने रहने के पश्चात भी विद्यार्थियों के साथ रहा करते थे जो उनको महानतम बनाता है और इसी महानता के लिए उन्हें भारत का सर्वोच्च भारत रत्न की उपाधि दी गई थी। ज्ञानी व्यक्ति केवल सूचनाओं का केंद्र ही नहीं होता बल्कि ज्ञान उसे विनम्र और सद्गुणी बनाता है, विनम्रता मनुष्य को उसके जीवन में अच्छे मार्ग में प्रशस्त होता है विनम्र व्यक्ति ही समाज में उचित स्थान तथा सम्मान का हकदार बनता है। विनम्रता से ही मनुष्य समाज के हर पहलू में उसका पात्र बनकर उसे ग्रहण करने का अधिकार रखता है। इसलिए विनम्र एवं ज्ञानी व्यक्ति समाज में सदैव सम्मानित एवं उच्च स्थान प्राप्त करने वाला व्यक्ति बन जाता है। विनम्र व्यक्ति में नेतृत्व गुण भी संभावित होता है क्योंकि ज्ञानी और विनय शील व्यक्ति को अपने नेतृत्व कर्ता के रूप में शहर से स्वीकार करती है।

हिस्ट्रीशीटरों संग पुलिस की मुठभेड़, दो घायल साइबर अपराध में चलाते हैं संगठित गिरोह

संवाददाता–कुशीनगर। पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पडरौना कोतवाली पुलिस ने शनिवार की आधी रात शहर से सटे परसौनी के सुखपुरा के टोला लौंगपुरा के गंडक नहर पुल के समीप से दो साइबर संगठित गिरोह के वांछित हिस्ट्रीशीटर को मुठभेड़ में धर दबोचा है। यह दोनों हिस्ट्रीशीटर गोंडा जिले के निवासी हैं और साइबर संगठित गिरोह के वांछित हिस्ट्रीशीटर हैं। घायल हिस्ट्रीशीटरों को पुलिस ने मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। वहीं, इनके पास से पुलिस ने इटली की बनी पिस्टल, 45 हजार रुपये नकदी, 42 फर्जी एटीएम व अपराध में प्रयुक्त बाइक को बरामद किया है। बरामदगी व गिरफ्तारी के आधार पर पुलिस इस मामले में कार्रवाई में जुटी हुई है। शनिवार की आधी रात कोतवाली पडरौना के इंस्पेक्टर सुशील कुमार शुक्ल को सूचना मिली कि दो संदिग्ध व्यक्ति बाइक से कोतवाली क्षेत्र के परसौनी के समीप सुखपुरा गांव के टोला लौंगपुरा के पास गंडक नहर की पुल पर हैं।

इनकी गतिविधियां पूरी तरह से संदिग्ध हैं और ऐसा प्रतीत हो रहा है कि यह किसी आपराधिक घटना को अंजाम देने वाले हैं। इस सूचना के बाद इंस्पेक्टर सुशील कुमार शुक्ल, साइबर थाने के इंस्पेक्टर मनोज कुमार पंत व स्वॉट टीम के प्रभारी आलोक यादव टीम के साथ सूचना वाले स्थान की तरफ निकल गए।

वहां पहुंचने के बाद पुलिस ने घेराबंदी की तो अपने को पुलिस से घिरा देख संदिग्धों ने पुलिस टीम पर फायर झोंकते हुए भागने का प्रयास करने लगे। पुलिस की ओर से जवाबी कार्रवाई की गई। मुठभेड़ के दौरान दोनों संदिग्धों को पैर में गोली लगी और वह घायल हो गए।

इसके बाद पुलिस ने उन्हें हिरासत में लेकर इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज भेजवा दिया, जहां उनका इलाज चल रहा है। गिरफ्तार दोनों संदिग्धों की पहचान रतन कुमार कुंडू निवासी तेलियानी रोड थाना इटिया थोक जिला गोंडा व कुलदीप कुमार शुक्ल निवासी बेनदुली थाना इटिया थोक जिला गोंडा के रूप में हुई।

दोनों के पास से इटली की बनी पिस्टल, कारतूस, फायर कारतूस, एक तमंचा, 45 हजार रुपये नकद, 42 फर्जी एटीएम कार्ड व अपराध में प्रयुक्त बाइक को बरामद किया गया है। गिरफ्तार करने वाली टीम में इंस्पेक्टर सुशील कुमार शुक्ल, साइबर थाने के इंस्पेक्टर मनोज कुमार पंत व स्वॉट टीम के प्रभारी आलोक यादव के अलावा सर्विलांस सेल के प्रभारी एसआई शरद भारतीय, सिधुआ चौकी इंचार्ज धीरेन्द्र कुमार राय,

मिश्रौली चौकी इंचार्ज विवेक कुमार पांडेय, एसआई रविकान्त कुमार, स्वॉट टीम के हेड कांस्टेबल सनातन सिंह, संतोष सिंह, चन्द्रशेखर यादव, राहुल सिंह, अभिषेक यादव, कांस्टेबल शिवानन्द सिंह, राहुल यादव शामिल रहे।

तालाब में मिला युवक का शव, जांच में जुटी पुलिस

संवाददाता–गोण्डा। घर से मछली का शिकार करने निकले युवक का तालाब के किनारे शव मिलने से हड़कंप मच गया। तालाब के किनारे शव पड़ा होने की सूचना ग्रामीणों ने परिजनों को दी। रोते– बिलखते परिजन मौके पर पहुंचे उन्होंने पुलिस को सूचना दी। आसपास के लोग तालाब में डूब कर मौत होने की आशंका व्यक्त कर रहे थे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। कर्नलगंज कोतवाली क्षेत्र के वार्ड नंबर 17 के रहने वाले सुनील कश्यप 25 वर्ष शनिवार को जाल लेकर मछली का शिकार करने निकले थे। देर रात तक वापस ना आने पर परिजनों ने खोजबीन शुरू किया। लेकिन युवक का कोई पता नहीं चल सका। दूसरे दिन यानी रविवार की सुबह युवक का शव सकरौरा घाट के समीप एक तालाब में उतराता हुआ दिखाई पड़ा। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक उसका कपड़ा और चप्पल तालाब के किनारे पड़ा था। जबकि मछली पकड़ने वाला जाल उसके पैर में फंसा था। सूचना मिलते ही आसपास के लोगों की भारी भीड़ मौके पर जुट गई। परिजन भी मौके पर पहुंच गए। परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

गोहत्या करने वाले चार लोगों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

संवाददाता–श्रावस्ती। थाना इकौना के ग्राम दीननामगढ़ में दो सप्ताह पूर्व सड़क पर बंधी एक लाल रंग की गाय को चोरी करके हत्या कर दी गई थी। जिसमें पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया था। पुलिस ने हत्या के चार आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। धनीराम आर्य पुत्र मंगरे निवासी दीननामगढ़ की एक लाल रंग की गाय सड़क के किनारे खूंटे में बंधी थी। जिसे दो सप्ताह पहले डोरी काटकर चुरा लिया गया था। इसके बाद घर से 800 मीटर की दूरी पर ले जाकर एक खेत में हत्या कर दी गई। सुबह होने पर गाय खूंटे पर नहीं मिली तब गाय मालिक धनीराम ने थाना इकौना को चोरी करके गोहत्या करने की सूचना लिखित रूप से अज्ञात लोगों के विरूद्ध दी। गोहत्या पर एसपी घनश्याम चौरसिया ने कड़ा रुख अख्तियार किया था। गोहत्या में शामिल लोगों की गिरफ्तारी के लिए इकौना पुलिस को सख्त निर्देश दिए। इस पर आरोपी जनपद बहराइच थाना विशेश्वरगंज बुढनी साईंपुरवा निवासी गयासुद्दीन पुत्र जब्बार अली व अली मोहम्मद पुत्र नबारन अली तथा थाना बिशेशरगंज ग्राम तकिया साईंपुरवा निवासी कमर अली पुत्र बच्चन व नसीम पुत्र सलीम तकिया साइन पुरवा को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए सभी लोगों को जेल रवाना कर दिया गया। गिरफ्तारी टीम में अपराध निरीक्षक दिलीप कुमार यादव, उप निरीक्षक राम प्रसाद यादव उप निरीक्षक विशाल शुक्ला, हेड कांस्टेबल दुर्गेश चौरसिया, हेड कांस्टेबल सुनील सिंह, कांस्टेबल हिमांशु सिंह व विनोद कुमार, महिला कांस्टेबल आरती सिंह शामिल रहीं।

हाईस्कूल व इंटर के मेधावियों को किया गया सम्मानित

संवाददाता–श्रावस्ती। हाईस्कूल व इंटरमीडिएट के मेधावी छात्रों को सम्मानित करने के लिए रविवार को भिनगा में अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। प्रतिभा संरक्षण सेवा न्यास की ओर से आयोजित समारोह की मुख्य अतिथि एमएलसी डा प्रज्ञा त्रिपाठी व बार एसोसिएशन के अध्यक्ष दिनेश कुमार शुक्ल रहे। इस मौके पर दोनों कक्षाओं के 20 छात्रों को प्रमाण पत्र व मेडल दिया गया।

समारोह का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि डा त्रिपाठी ने कहा कि मेहनत, लगन व कठिन परिश्रम से बड़े से बड़े लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने मेधावी छात्र–छात्राओं से और कड़ी मेहनत से पढ़ाई करने और परिवार व जिले का नाम रोशन करने की बात कही। मुख्य अतिथि ने मेधावियों से अपने छात्र जीवन के अनुभव को भी साझा किया। विशिष्ट अतिथि दिनेश शुक्ला ने कहा कि ऐसे आयोजनों से प्रतिभाशाली छात्र–छात्राओं को और मेहनत कर बड़ी सफलता पाने की प्रेरणा मिलती है। प्रतिभा संरक्षण सेवा न्यास के प्रदेश अध्यक्ष डा देवेन्द्र उपाध्याय ने कहा कि सभी छात्रों को मेहनत से पढ़ाई करनी चाहिए। इससे आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। समारोह को शिवालिक महाविद्यालय के प्राचार्य डा ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह, अभियोजन अधिकारी किसलय पांडेय, विजय पाल व प्रमोद निषाद ने भी संबोधित किया। इस मौके पर जिलाध्यक्ष पवन कुमार मौर्य, उपाध्यक्ष राजेश जायसवाल, महामंत्री सूर्यप्रकाश जायसवाल, कोषाध्यक्ष सुनील गुप्ता, जीपी मिश्रा मधुकर, दिलीप तिवारी, आशीष आर्य, पुनीत कुमार मिश्रा, डा आरके मौर्य, हरीश्चंद्र गुप्त, ध्रुव कुमार मिश्र, अमरनाथ मिश्र मौजूद रहे।

माझा जमथरा लैंड केस को लेकर जन आंदोलन की आशंका –शरद पाठक बाबा

–भारतीय बस्ती संवाददाता– अयोध्या। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं मित्र मंच के राष्ट्रीय प्रमुख शरद पाठक बाबा ने अयोध्या विकास प्राधिकरण पर गलत तथ्य पेश करके अयोध्या वासियों को लगातार गुमराह करने का आरोप लगाते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को माझा जमथरा लैंड केस को लेकर जन आंदोलन होने की आशंका व्यक्त करते हुए पत्र के माध्यम से अवगत कराने का प्रयास किया। रविवार को अयोध्या के फैजाबाद शहर के एक होटल में प्रेस से मुखातिब होते हुए उन्होंने बताया कि विकास प्राधिकरण अयोध्या वासियों को गलत तथ्य पेश करती है और प्रशासनिक अफसर के कारण ही भाजपा को अयोध्या में हर का मुंह देखना पड़ा।

उन्होंने कहा कि राम मंदिर की तरह गांव माझा जमथरा की लड़ाई लड़ने के लिए किसानों को प्रशासन मजबूर कर रहा है। उन्होंने प्रशासन पर आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की छवि धूमिल करने का प्रशासन निरंतर प्रयास कर रहा है जिसका नुकसान भाजपा को चुनाव में झेलना पड़ता है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस माझा जमथरा में नवनिर्मित सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट नियमों की अनदेखी करते हुए बिना मानचित्र स्वीकृत कराए तीन मंजिला दो भवनों का निर्माण किया जा चुका है और निजी भू स्वामी अगर झोपड़ी भी बनना चाहे तो अयोध्या विकास प्राधिकरण अपने नियमों और महा योजना 2031 के प्रावधानों को दरकिनार करके तथ्यों का हवाला देते हुए कार्यों को रोक देता है जो गलत है और निश्चित ही प्रशासन के गलत नीतियों का खामियाजा पार्टी को भुगतना पड़ता है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि अयोध्या विकास प्राधिकरण उद्योगपतियों के लिए कार्य कर रही है।

मोदी सरकार का यह बजट सभी के लिए फायदेमंद–मुकुट बिहारी वर्मा

संवाददाता–श्रावस्ती। भारतीय जनता पार्टी की ओर से केन्द्रीय बजट पर गोष्ठी का आयोजन किया। जिसके मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री मुकुट बिहारी वर्मा तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष दद्दन मिश्रा मौजूद रहे। गोष्ठी की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष उदय प्रकाश त्रिपाठी ने की। पूर्व मंत्री मुकुट बिहारी वर्मा ने बजट के प्रमुख बिंदुओं पर गहराई पर प्रकाश डालते हुए इसे सभी देशवासियों के लिए लाभकारी बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में काम कर रहा है। बजट में उद्योग और उद्यमियों के लिए नीतियों को सशक्त बनाया गया है। वहीं कृषि क्षेत्र पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। देश की सामरिक दृष्टि से मजबूती के लिए रक्षा क्षेत्र को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। यह मोदी सरकार का एक सर्व स्पर्शी तथा सर्व समावेशी बजट है। विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष दद्दन मिश्रा ने कहा कि गांव और शहर के लोगों की सहूलियत के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना को बढ़ावा दिया गया है। आमजनों की सभी मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए पूरी तरह से सहयोग किया गया है। जिलाध्यक्ष उदय प्रकाश त्रिपाठी ने कहा कि बजट आमजन की सहूलियत को ध्यान में रखते हुए और देश के विकास को गति देने वाला बजट है। इस दौरान पूर्व जिलाध्यक्ष शंकर दयाल पाण्डेय तथा संजय कैराती पटेल ने भी मंच से बजट की सराहना की। इस दौरान जिला महामंत्री दिवाकर शुक्ला, रमन सिंह, पूजा पाण्डेय, सरिता सिंह, अजय वर्मा, प्रहलाद शुक्ला, अरुण पाण्डेय, जिला मीडिया प्रभारी संजू तिवारी, नेकराम पाण्डेय सहित अन्य जिला पदाधिकारी, मण्डल अध्यक्ष, मोर्चों के अध्यक्ष व भारी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सभी बूथों पर सुना गया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात

संवाददाता–श्रावस्ती। भारतीय जनता पार्टी की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सभी बूथों पर सुना गया। मन की बात कार्यक्रम को जनप्रतिनिधि व भाजपा पदाधिकारियों ने कार्यकर्ताओं के साथ सुनी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात के 112 वें संस्करण को जिले के सभी बूथों पर सुना गया। जिलाध्यक्ष उदय प्रकाश त्रिपाठी ने कार्यक्रम को भिनगा के बूथ संख्या 173 बगुरैया गलकटवा पर सुना। जबकि जिला पंचायत अध्यक्ष दद्दन मिश्रा ने हरिहरपुर रानी मण्डल के बूथ संख्या 137 सिसवा में बूथ समिति के सदस्यों व शक्तिकेन्द्र के कार्यकर्ताओं के साथ पीएम मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुना। विधायक श्रावस्ती राम फेरन पाण्डेय ने इकौना स्थित बूथ संख्या 327 टीचर कालोनी में बूथ कार्यकर्ताओं के साथ पीएम मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुना। इसके साथ ही जिला पदाधिकारियों, मण्डल अध्यक्ष, मोर्चों के अध्यक्षों तथा अन्य कार्यकर्ताओं ने भी संगठन की ओर से आवंटित बूथ पर भारी संख्या में आम जनमानस के साथ मन की बात कार्यक्रम को सुना।

पंडा समाज उसी स्थल पर करेगा मां सरयू की नित्य आरती

–भारतीय बस्ती संवाददाता– अयोध्या। अयोध्या में मां सरयू के तट पर दर्जनों स्थलों पर लोग अपने–अपने सुविधा के अनुसार घाट को सजाकर नित्य आरती करते आ रहे हैं लेकिन स्थानीय प्रशासन द्वारा श्री साकेत पुरी मां सरयू नित्य आरती सेवा समिति अयोध्या जो सिद्ध पीठ करतालिया बाबा आश्रम के सामने घाट पर नित्य आरती करते आ रहे हैं अचानक प्रशासन ने उनके द्वारा बनाई गई स्ट्रक्चर को तोड़कर के आरती न करने को कह रहा है जिससे पंडा समाज में आक्रोश व्याप्त है क्योंकि यह आरती 74 वर्षों से पंडा समाज की तरफ से होती आ रही है। समिति के वर्तमान अध्यक्ष कृष्ण मुरारी पांडे ने बताया कि पंडा समाज द्वारा हमारे समाज के अनेक लोगों द्वारा समय–समय पर मां सरयू नित्य आरती सेवा समिति द्वारा आरती की जा रही है और पिछले 11 वर्षों से समाज ने यह जिम्मेदारी हमें दी है और मैं इसको निभा रहा हूं आरती न करने से मैं आहत हूं और पिछले दो–तीन दिनों से प्रशासन के पास दर–दर भटक रहा हूं लेकिन इसका कोई समाधान नहीं मिल रहा है जबकि दर्जनों स्थानों पर अलग–अलग लोग आरती कर रहे हैं। समिति के कोषाध्यक्ष दिलीप पांडे कल्लू ने कहा कि यदि प्रशासन हमें पूरी व्यवस्था के साथ अनुमति नहीं देगा तो हम इसके लिए समाज के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी गुहार लगाऊंगा (पुरोहित समाज दुर्गेश पांडे ने कहा कि समाज कृष्ण मुरारी पांडे के साथ खड़ा है और जो भी आवश्यकता होगी उसके लिए हम तैयार हैं पीछे नहीं हटेंगे और यह कोई अतिक्रमण नहीं है दशकों से समाज द्वारा आरती मां सरयू की की जा रही है और आगे भी होती रहेगी (अयोध्या तीर्थ धर्मार्थ सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष राजेश महाराज ने कहा कि हम लोग प्रशासन विधायक अयोध्या के महापौर से बात करेंगे समाज एक साथ है और इस लड़ाई को एक साथ लड़ेगा इसमें हम पीछे नहीं हटेंगे और हम लोग निश्चित ही वहीं आरती करेंगे। बैठक में धर्मराज पांडे प्रदीप पांडे दिलीप पांडे सुनील पांडे आज लोग मौजूद रहे

कागजों तक सीमित है संचारी रोग नियंत्रण अभियान

संवाददाता–बलरामपुर। संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत गांवों तक रोस्टर प्रणाली यानी टीम गठित कर साफ–सफाई और कीटनाशकों के छिड़काव के निर्देश दिए गए हैं। लेकिन हकीकत में गांवों तक में गंदगी फैली हुई है और लोग बीमार होकर अस्पताल पहुंच रहे हैं। इससे साफ जाहिर है कि संचारी रोग नियंत्रण अभियान केवल कागजों तक ही सीमित है।

संचारी रोगों के नियंत्रण के लिए दस महत्वपूर्ण विभाग को सहभागी बनाया गया है। प्राथमिक व माध्यमिक शिक्षा विभाग को बीमारियों के कारण बचाव आदि के प्रति जागरूक करने, पशुपालन विभाग को सुअरबाड़ा को आबादी से दूर बनाने और छुट्टा न छोड़ने के लिए पालकों को प्रेरित करने, कृषि विभाग को चूहों के बिलों को बंद करने लिए लोगों को जागरूक करने का जिम्मा दिया गया है। गैसड़ी ब्लॉक के ग्राम पंचायत पिपरा में जिले में बड़े स्तर पर मोहर्रम का त्यौहार मनाया जाता है। ग्राम प्रधान मनोज मिश्रा ने बताया की उन्होंने वीडियो गैसड़ी से अभियान चलाकर गांव की सफाई कराने की बात कही थी। लेकिन सफाई कर्मी अपने पुराने रवैया से बाज नहीं आ रहे। गांव में दवाओं का छिड़काव तो दूर साफ–सफाई तक नहीं हो रही है। क्षेत्र के गौरा, मथुरा, बिलासपुर, गोविंदपुर, भोजपुर, थरूवा, सदवापुर, गुलरिया अहिरोली, पिपरा, भगोघर जैतापुर, दर्जिनिया, नौबस्ता पकड़ी सहित दर्जनों गांव में भारी गंदगी के चलते संक्रामक बीमारियों के फैलने का खतरा बना हुआ है। इस संबंध में खंड विकास अधिकारी अवनीन्द्र पांडेय ने बताया की निरीक्षण के लिए जिन अधिकारियों को लगाया गया है वह सभी गांव में रहकर गठित टीम से सफाई करवाकर दवा का छिड़काव कराते हुए साफ–सफाई कराएं।

अवैध अस्पताल व क्लीनिक चली तो अधीक्षकों की खैर नहीं –डीएम

संवाददाता–श्रावस्ती। जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में हुई। जिसमें अवैध रूप से संचालित अस्पतालों व क्लीनिक पर अंकुश लगाने का निर्देश दिया गया। इसके साथ ही इकौना और गिलौला सीएचसी की प्रगति खराब मिलने पर अधीक्षकों को कड़ी फटकार लगाई। स्वास्थ्य समिति की बैठक के दौरान समीक्षा में गिलौला व इकौना की मासिक प्रगति खराब पाये जाने पर जिलाधिकारी ने सम्बन्धित प्रभारी चिकित्साधिकारी को कड़ी फटकार लगायी। उन्होंने कहा कि लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराकर स्वास्थ्य सुविधाओं में तेजी लायी जाय। जिससे की जिले की रैंकिंग में सुधार लाया जा सके। डीएम ने सभी प्रभारी चिकित्साधिकारियों को निर्देश दिया कि संस्थागत प्रसव पर विशेष बल दिया जाय। उन्हें अस्पताल में भर्ती कर सभी सुविधाएं मुहैया करायी जाएं। साथ ही गर्भवती महिलाओं को निजी अस्तपालों की अपेक्षा सरकारी अस्पताल में ही प्रसव के लिए प्रेरित किया जाय। डीएम ने निर्देश दिया कि जिले में संचालित सभी पैथालॉजी सेंटर, अल्ट्रासाउण्ड सेंटर, नर्सिंग होम,अस्पतालों की टीम बनाकर जांच किया जाय और गैर पंजीकृत नर्सिंग होम,अस्पतालों एवं पैथोलॉजी पर कठोर कार्रवाई की जाय। सीएचसी अधीक्षक इस बात पर गंभीरता से कार्रवाई करें। बैठक का संचालन डीसीपीएम राकेश गुप्ता ने किया।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अनुभव सिंह, मुख्य चिकित्साधिकारी डा एपी सिंह, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा राम गोपाल, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डा वीके श्रीवास्तव, डा उदयनाथ, डा बीके वैद्य, डा केके वर्मा, डब्ल्यूएचओ के एसएमओ, यूनिसेफ के प्रतिनिधि सहित सभी प्रभारी चिकित्सा अधिकारी, हेल्थ पार्टनर्स एवं सम्बन्धित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

नशा मुक्ति अभियान कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

संवाददाता–बलरामपुर। जन–जन का यही संदेश, नशा मुक्त हो अपना देश के उद्घोष के साथ रोटरी क्लब बलरामपुर ग्रेटर ने ग्राम पंचायत कोइलिहा के प्राथमिक विद्यालय में नशा उन्मूलन के कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। डॉ देवेश चंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि नशा सिर्फ मानसिक या शारीरिक ही नहीं है अपितु यह सामाजिक विकार भी है। आनंद उपमन्यु ने नशा से आर्थिक नुकसान की बात कही। जय ने शिक्षा के महत्व को रेखांकित कर उससे सामाजिक विकास की बात कही। रविंद्र जायसवाल, डॉ अफजाल, क्लब अध्यक्ष रोटेरियन डॉ सौरभ सिंह ने अभिभावकों से अपने बच्चों से नशा संबंधी सामान न मंगाने की अपील की। ग्रामीणों से सवाल जवाब के माध्यम से जागरूक करने का कार्य किया। सभी ग्रामीणों को जीवन में कभी नशा न करने के साथ–साथ परिवार में किसी सदस्य को नशा न करने से रोकने का संकल्प दिया। क्लब सचिव भूपेन्द्र सिंह एवं कोषाध्यक्ष डॉ विकास अग्रवाल ने युवा कर्मठ सदस्यों की एक टीम बनाने की बात कही जो नियमित रूप से नशा उन्मूलन के कार्यक्रम करेगी। इस अवसर पर दिलीप श्रीवास्तव, सुभाष मिश्रा, कीर्ति शेखर, अनूप अग्रवाल, मिहिर मेहरोत्रा, अंकित गोयल, डॉ सतीश सिंह, सचिन पाहवा, पंकज पाहवा, अभिषेक प्रताप सिंह, अमित अग्रवाल, शरद अग्रवाल, संजय शर्मा आदि ने सभी को नशा मुक्त करने का आश्वासन दिया। इस मौके पर विद्यालय प्रधानाचार्य बृजेश द्विवेदी, कन्यावती, पीतांबर, सुनील, लव कुश वर्मा, दुर्गेश मणि, राम केवल तिवारी, मनोज सोनी, मनीराम, विष्णु तिवारी सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

गौ संवर्धन व रोजगार से जोड़ने को बुलंद की आवाज

संवाददाता–बहराइच। विश्व हिंदू परिषद के अध्यक्ष तरुण सिंह, जिला कार्यकारी अजय कुमार सिंह अज्जू व गोरक्षा प्रकल्प अध्यक्ष शशि भूषण त्रिपाठी के नेतृत्व में संगठन के पदाधिकारियों ने डीएम को 10 सूत्रीय मांग पत्र सौंपकर गोवंश की संरक्षा व सुरक्षा की मांग की। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व राज्यपाल आनंदी बेन को सम्बोधित मांग पत्र में कहा गया कि गोवंश निषेध कानून का गठन करने के साथ ही गोवंश को राष्ट्रीय प्राणी के रूप में मान्यता देने की मांग की। पशु क्रूरता निषेध अधिनियम को सख्त कर देशव्यापी गो सम्वर्धन अभियान चलाने, विद्यालय व विश्व विद्यालय में कामधेनु अध्ययन, अनुसंधान पीठ की स्थापना किए जाने व गो आश्रय केंद्रों के पालकों को प्रशिक्षित किए जाने आदि की मांग की गई। गोमाता को रोजगारपरक शिक्षा से जोड़ने के पहल की महत्वपूर्ण जरूरत बताई।

शिक्षक डायरी एवं टीचिंग प्लान पर दें विशेष ध्यान –बीएसए

संवाददाता–बलरामपुर। निपुण भारत कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन एवं अनुश्रवण के लिए जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के उप शिक्षा निदेशक व प्राचार्य हिफजुर्रहमान के निर्देशन में समस्त एसआरजी, एआरपी व डायट मेंटर की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। यह बैठक पहली बार नवागत जिला बेसिक शिक्षाधिकारी शुभम शुक्ला की अध्यक्षता में डायट सभागार में आयोजित की गई।

बैठक में एआरपी एवं एसआरजी ने नवागत बीएसए को बुके भेंट कर स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन राज्य संदर्भदाता समूह सदस्य महमूदुल हक ने किया। निर्धारित एजेंडा के बिंदुओं पर समीक्षा करते हुए बीएसए ने कहा कि सपोर्टिव सुपरविजन के दौरान शिक्षकों के अकादमिक गतिविधियों के संचालन में आ रही समस्याओं को पहचान कर उसका निदान किया जाना आवश्यक है। जो भी विद्यालय सुपोर्टिव सुपरविजन के लिए चयन किए जाएं वह यूनीक होना चाहिए। इस दौरान कम से कम दो घंटे का समय, पांच स्पॉट असेसमेंट किया जाना आवश्यक है। सभी एआरपी व एसआरजी भ्रमण के दौरान शिक्षकों द्वारा किए जा रहे बेस्ट प्रैक्टिस व नवाचारों का संकलन अपने पास तैयार रखेंगे। अगले माह की समीक्षा बैठक में रेंडम रूप से दो ब्लॉक के एआरपी से अपनी सपोर्टिव विजन के दौरान की गई गतिविधियों को सभी के सामने साझा किया जाएगा। जिसे जनपद में चल रही गतिविधियों को अन्य विद्यालयों तक पहुंचाया जा सके और जिले को निपुण बनाया सके। इसके अतिरिक्त तीनों मॉड्यूल, क्रियान्वयन संदर्शिका, प्रिंट रिच मैटेरियल, निपुण तालिका पर शिक्षक की समझ और उपयोग को बेहतर बनाने का भी सुझाव दिया गया। शिक्षण के दौरान गणित व साइंस किट के उपयोग को अवश्य करने पर जोर दिया गया है। बैठक के अंत में पांच दिवसीय प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को प्रमाण–पत्र भी वितरित किया गया। बैठक में एसआरजी नवीन कुमार, आलोक शर्मा, प्रतिमा सिंह के साथ मुनव्वर मलिक, अजीत पांडेय, सुनील कुमार, अरुण मिश्रा, पंकज पांडेय सहित समस्त एआरपी मौजूद रहे।

गद्दी नशीन महंत प्रेम दास ने नवनिर्मित निकास द्वार का किया उद्घाटन

–भारतीय बस्ती संवाददाता– अयोध्या। प्राण प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या में श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ी और श्री राम जन्मभूमि के बाद इसका सीधा असर हनुमानगढ़ी पर पड़ा, श्रद्धालुओं के सुविधा के लिए गद्दी नशीन श्रीमहंत प्रेमदास महाराज के साथ यह निर्णय लिया गया की निकास द्वार श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए और चौड़ा किया जाए जिस पर कमेटी ने काम किया कार्य शुरू हुआ तेजी से कार्य करते हुए श्रवण मेला के पहले नवनिर्मित निकास द्वार को गद्दी नशीन महंत प्रेमदास महाराज ने श्रावण मास के दूसरे सोमवार से पहले रविवार को वैदिक मंत्रोचार के साथ उद्घाटन किया और श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया गया। आज से मुख्य द्वार से प्रवेश होगा और पीछे के द्वार से श्रद्धालु हनुमान महाराज का दर्शन पूजन करके बाहर निकलेंगे। महंत प्रेम दास महाराज ने कहा कि अयोध्या में आने वाला श्रद्धालु हनुमान जी महाराज का दर्शन निश्चित करता है इसलिए उनकी सुविधा के लिए हनुमानगढ़ी ने यह व्यवस्था की है।

अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रहे महंत ज्ञान दास महाराज के शिष्य संकट मोचन सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत संजय दास ने कहा कि संतों की बैठक में यह निश्चित हुआ था की 10 जुलाई को विकास द्वारा बनकर तैयार हो जाएगा कुछ अतिरिक्त समय और लगा लेकिन भव्य रूप से बना है और श्रद्धालुओं को इससे सुविधा मिलेगी। गद्दी नशीन महंत प्रेम दास महाराज के शिष्य हनुमत संस्कृत महाविद्यालय के प्राचार्य महंत डॉ महेश दास महाराज ने बताया कि हनुमानगढ़ी में हमेशा श्रद्धालुओं के सुविधा का ध्यान रखा है अयोध्या में भारी संख्या में श्रद्धालु आ रहे है इसलिए आने वाले समय में उनकी सुविधा के लिए अगर और कुछ परिवर्तन करना होगा तो वह भी किया जाएगा। इस अवसर पर नागा श्री राम शंकर दास जी महाराज, निर्वाणी अनी के सचिव सत्यदेव दास महाराज एवं सचिव महंत नंदराम दास महाराज, महंत राजेश दास महाराज, पुजारी हेमंत दास महाराज, उपेन्द्र दास महाराज, पहलवान मणीराम दास एवं मैनेजर हनुमानगढ़ी अजय श्रीवास्तव आदि साधु संत मौजूद रहे।

बलिया के फरार थानेदार ने गोरखपुर में किया सरेंडर, ट्रकों से अवैध वसूली कांड में पुलिस कर रही थी तलाश

संवाददाता—गोरखपुर। बलिया के भरौली बॉर्डर पर छापेमारी कर अवैध वसूली मामले में फरार चल रहे थानेदार पन्नेलाल कन्नौजिया को रविवार पुलिस ने गोरखपुर से दबोच लिया। दरअसल गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने उनकी बीवी को हिरासत में लिया था। जब इस बात की जानकारी पन्नेलाल को हुई तो वह खुद ही पुलिस के सामने आ गए। इसके बाद बलिया पुलिस उन्हें अपने साथ लेकर चली गई।

भरौली बॉर्डर पर छापेमारी कर अवैध वसूली मामले के खुलासा करने वाले वाराणसी जोन के एडीजी पीयूष मोर्डिया ने आरोपित पुलिसकर्मियों की गिरफ्तारी के लिए बलिया के साथ आजमगढ़ और मऊ की एसओजी टीम को लगाया था। निलंबित थानेदार पन्नेलाल कन्नौजिया की तलाश के लिए पुलिस टीम गोरखपुर के गोला थाना क्षेत्र के भरसी गांव में स्थित उनके पैतृक घर पर दबिश देते हुए पत्नी को हिरासत में लिया था। दरअसल पुलिस को जानकारी मिली थी कि फरार होने के बाद पन्नेलाल ने अपनी बीवी से बात की थी। यहां तक कि उनका लास्ट लोकेशन भी गोरखपुर में मिला था। इस बीच जब पन्नेलाल को बीवी के हिरासत में लिए जाने की जानकारी हुई तो उन्होंने खुद ही गोला पुलिस के समक्ष सरेंडर कर दिया। जिसके बाद बलिया पुलिस उन्हें अपने साथ लेकर चली गई।

पन्नेलाल कन्नौजिया पिछले 2 साल से नरही के थानाध्यक्ष पद पर कार्यरत थे। जानकारी के मुताबिक साल 2012 में वह दरोगा बने थे और अगस्त 2022 में उनकी तैनाती बलिया के नरही थाने पर हुई थी। तब से लेकर बीते गुरुवार तक वह नरही थानाध्यक्ष पद पर बने रहे। यूपी—बिहार के भरौली बॉर्डर पर ट्रकों से अवैध वसूला काजिम्मा उसने थाने के पुलिसकर्मियों को दे रखी थी।

अयोध्या से उत्तराखंड पुलिस ने युवक को लिया हिरासत में ले जाते समय हुई मौत, मचा हड़कंप

संवाददाता—अयोध्या। उत्तराखंड प्रदेश के उधम सिंह नगर जिले की पुलिस ने एक मामले के आरोपी अयोध्या के रहने वाले युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ करने के बाद जैसे ही उधम सिंह नगर के लिए रवाना हुई। इस दौरान उसकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। उसे अस्पताल ले जाया गया। जहां पर डॉक्टरों ने मृत्यु घोषित कर दिया। युवक की मौत के बाद पुलिस के हाथ पांव फूल गए। उत्तराखंड प्रदेश के उधम सिंह नगर जिले की पुलिस ने शनिवार को अयोध्या पहुंचकर एक मामले के आरोपी युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ करने के बाद जैसे ही उधम सिंह नगर के लिए रवाना हुई। अचानक उसकी तबीयत खराब हो गई। उसे तत्काल अस्पताल ले जाया गया। जहां पर डॉक्टरों ने युवक को मृत घोषित कर दिया। अयोध्या के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेश कुमार पांडे ने बताया कि शुक्रवार की रात जिला अस्पताल में एक युवक के मौत हुई थी। जिसके क्रम में बताना है कि उत्तराखंड प्रदेश के उधम सिंह नगर जिले की पुलिस ने एक मामले के आरोपी युवक को हिरासत में लेकर यहां से रवाना हुई थी। जैसा कि उनका कहना है कि ले जाते समय अचानक उसकी सांस बढ़ गई। उन लोगों को लगा कि युवक की तबीयत ठीक नहीं है। तत्काल उसे अयोध्या के अस्पताल ले गए। जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उसे समय उसके साथ एक और व्यक्ति भी था। जिसकी सूचना के आधार पर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

मृतक का मजिस्ट्रेट की देखरेख में पंचायतनामा कराकर डॉक्टर के पैनल से पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। पूरी पोस्टमार्टम की प्रक्रिया की वीडियो ग्राफी भी कराई जा रही है। इसमें जो भी जानकारी आगे मिलती है। उससे आप लोगों को अवगत कराया जाएगा।

जिस कोचिंग में पढ़कर आंखों में आईएएस बनने का सपना लेकर दिल्ली गई थी श्रेया, वहीं से आई मौत की खबर

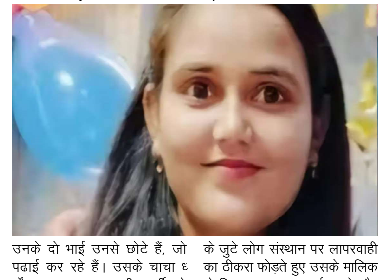

संवाददाता—अम्बेडकरनगर। जिस कोचिंग संस्थान में पढ़कर श्रेया यादव देश की सबसे बड़ी परीक्षा को पास करने की तैयारी में थी, उसी कोचिंग संस्थान की बदहाल व्यवस्था में डूबकर वह मौत के आगोश में पहुंच गई। इस दुखद घटना ने पूरे जनपद को झकझोर दिया। इतने नामचीन संस्थान की इतनी खस्ता हालत की कल्पना परिवार वालों ने नहीं की थी। कोचिंग संस्थान में हुए हादसे में श्रेया की मौत की खबर से पूरा परिवार बदहवास है। हम बात कर रहे हैं अम्बेडकरनगर जिले के अकबरपुर तहसील क्षेत्र के हासिमपुर बरसांवा की। यहां की रहने वाली श्रेया यादव पुत्री राजेंद्र यादव (25) बचपन से ही मेधावी छात्रा रही। इंटर की परीक्षा पास करने के बाद उसने केएनआई सुल्तानपुर से बीएससी और एमएससी एग्रीकल्चर से किया।

अप्रैल 2024 में ही सिविल सर्विसेज की तैयारी के लिए दिल्ली के राव आईएएस कोचिंग संस्थान में दाखिला लिया था। वह आईएएस बनने का सपना लेकर दिल्ली गई थी। उसकी आंखों में सिविल सर्विसेज की तैयारी को लेकर चमक थी। परिजनों ने बताया कि 26 जुलाई को ही उससे बात हुई थी। उसने अच्छी तैयारी की बात परिजनों को बताई थी। श्रेया के पिता राजेंद्र यादव बसखारी बाजार में दूध डेयरी की दुकान चलाते हैं। मां गृहणी हैं। उनके दो भाई उनसे छोटे हैं, जो पढ़ाई कर रहे हैं। उसके चाचा धर्मेंद्र यादव समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता हैं। उनकी देखरेख में ही वह वहां तैयारी के लिए गई थी। शनिवार की शाम सात बजे कोचिंग संस्थान के बेसमेंट में स्थित लाइब्रेरी में बारिश के बाद अचानक पानी भरने से डूब कर उसकी मौत हो।

सूचना मिलने पर परिवार के लोगों को इस खबर पर विश्वास नहीं हो रहा है। महिलाएं बेसुध हो गई हैं। श्रेया के पिता राजेंद्र यादव सूचना मिलने के बाद उसकी लाश लेने के लिए दिल्ली के लिए निकल गए। जो भी इस खबर को सुन रहा है वह सन्न रह जा रहा है। इतने बड़े कोचिंग संस्थान में छात्र—छात्राओं के जीवन के साथ इतनी बड़ी लापरवाही की कल्पना कोई नहीं कर रहा है। गांव के अलावा आसपास के जुटे लोग संस्थान पर लापरवाही का ठीकरा फोड़ते हुए उसके मालिक के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने और कड़ी कार्रवाई की मांग की है। परिवार से जुड़े लोगों ने बताया कि पोस्टमॉर्टम के बाद शव देर शाम तक आने की सम्भावना है।

घटना की सूचना मिलने के बाद एसडीएम सदर सौरभ शुक्ला ने परिवार वालों से मिलकर श्रेया की मौत पर दुख प्रकट किया। उन्होंने कहा कि मामले में जो भी जरूरी मदद होगी वह परिवार वालों को दी जायेगी। परिजनों ने घटना की न्यायिक जांच की मांग की है। परिजनों का कहना है कि यह घटना हादसा नहीं बल्कि हत्या है। इस तरह की बदइंतजामी के बारे में कभी सोचा भी नहीं जा सकता है। मां का रो रो कर बुरा हाल है। दोनों भाई भी इस घटना से बहुत दुखी नजर आए।

रेल ट्रैक के किनारे मिला युवक का कटा हुआ शव

संवाददाता—गोरखपुर। चौरीचौरा थानाक्षेत्र के डुमरी खुर्द गांव के समीप रविवार सुबह रेल ट्रैक के किनारे 25 वर्षीय एक युवक का शव बरामद किया गया। युवक पिछले तीन दिनों से लापता था।

रविवार की सुबह ग्रामीणों ने युवक के शव को झाड़ियों में देखने के बाद पुलिस को सूचना दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। डुमरी खुर्द निवासी दलित सुदर्शन का 25 वर्षीय पुत्र विजय मानसिक रुप से विक्षिप्त था। जिसका दवा इलाज चल रहा था। 26 जुलाई की रात को मृतक विजय अपने कमरे से निकल कर चला गया। परिवार के लोगों ने देखा विजय को कमरे में न पाकर परिवार के लोग विजय को गांव के आसपास तलाश की थे। लेकिन विजय नहीं मिला। तीसरे दिन विजय के घर से करीब 500 मीटर दूर उसका शव रेलवे ट्रैक के किनारे मिला। आशंका है कि वह किसी ट्रेन की चपेट में आ गया होगा। मृतक अविवाहित था। शव से दुर्गंध निकल रहा था। पैर कट गया था और क्षत—विक्षत था। माना जा रहा है कि जानवरों ने उसके शव को नोच लिया था।

कार्यवृत्ति बनने के बाद ही पास होंगे नक्शे

संवाददाता—गोरखपुर। विनियमितिकरण क्षेत्र में मानचित्र स्वीकृत होने के संबंध में प्राधिकरण बोर्ड ने 25 जनवरी को निर्णय ले लिया लेकिन बोर्ड बैठक की कार्यवृत्ति बनने के बाद ही मानचित्र स्वीकृति को लेकर आदेश जारी होगा। कार्यवृत्ति बनने के बाद जीडीए के सभी जोन के अभियंताओं एवं अवर अभियंताओं को इस बाबत निर्देश मिलेंगे। गोरखपुर महायोजना 2031 को शासन ने 07 मार्च 2024 को लागू कर दिया था। महायोजना में करीब 2500 एकड़ क्षेत्रफल को विनियमित करने का अधिकार शासन ने प्राधिकरण बोर्ड को दिया था। बोर्ड द्वारा इसके लिए गठित कमेटी ने प्राधिकरण उपाध्यक्ष को तकरीबन तीन माह बाद रिपोर्ट सौंप दी। कमेटी की रिपोर्ट पर सहमति जताते हुए 25 जुलाई को हुई प्राधिकरण बोर्ड की बैठक में विनियमिति क्षेत्र के मानचित्र स्वीकृति को मंजूरी दे दी। बोर्ड बैठक के पूर्व ही प्राधिकरण उपाध्यक्ष आनंद वर्द्धन के आश्वासन पर विनियमित क्षेत्र में मानचित्र स्वीकृति के लिए कई लोगों ने आवेदन किए हैं। इनमें से कुछ लोगों के आवेदन बोर्ड बैठक का हवाला देकर लौटा भी दिए गए। फिलहाल 25 जुलाई को हुई बोर्ड बैठक के बाद शुक्रवार एवं शनिवार को लोगों ने प्राधिकरण कार्यालय पहुंच कर नक्शे पास होने की प्रक्रिया के संबंध में जानकारी ली।

अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने समझाया कि कार्यवृत्ति तैयार होने के बाद ही विनियमित क्षेत्र के निर्माण के लिए मानचित्र स्वीकृत किए जा सकेंगे। गोरखपुर विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष आनंद वर्द्धन ने कहा, गुरुवार को हुई बोर्ड बैठक की कार्यवृत्ति तैयार की जा रही है। कार्यवृत्ति तैयार होने उपरांत विनियमितिकरण क्षेत्र के मानचित्र के आवदेन भी स्वीकृत होंगे। दस दिन में कार्यवृत्ति भी तैयार हो जाएगी। इस अवधि में संबंधित क्षेत्र में निर्माण की तैयारी कर रहे लोग आवेदन कर सकते हैं। विनियमितिकरण क्षेत्र में हुए निर्माण को अवैध बताते हुए प्राधिकरण ने करीब 8000 लोगों को ध्वस्तीकरण का नोटिस दिया था। इन नोटिसों में कई में ध्वस्तीकरण का आदेश भी पारित है, लेकिन अब ये कार्रवाई भी खत्म हो जाएगी। संबंधित क्षेत्र के लोगों को तो राहत मिलेगी ही विनियमित क्षेत्र में जिन निर्माण को अवैध बताते हुए प्राधिकरण की ओर से ध्वस्तीकरण का आदेश हो चुका है, वे भी सुरक्षित हो जाएंगे।

गृह ब्लाक में सांसद जगदम्बिका पाल का हुआ भव्य स्वागत

सीएम बदले जाने की बात विपक्ष का अनर्गल प्रलाप- जगदम्बिका पाल

सिर्फ विकास के एजेंडे पर काम कर रही भाजपा - जगदम्बिका पाल

—भारतीय बस्ती संवाददाता— बस्ती। डुमरियागंज लोकसभा सीट से लगातार चौथी बार सांसद चुने जाने के बाद प्रथम बार बस्ती आगमन पर सांसद जगदम्बिका पाल का भव्य स्वागत किया गया। वे अपने गृह ब्लाक बनकटी में आयोजित राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के एक कार्यक्रम में हिस्सा लेने पहुंचे थे। इस दौरान जगह जगह सांसद के समर्थक सैकड़ों की संख्या में मौजूद रहे और अपने नेता का फूल मालाओं से बड़ी गर्मजोशी से स्वागत किया।

उन्होंने कहा भाजपा के कार्यकाल में सबसे ज्यादा हाइवे, सबसे ज्यादा एअरपोर्ट, सबसे ज्यादा इन्फ्रास्ट्रक्चर, सबसे ज्यादा एक्सप्रेसवे हैं। मोदीजी के नेतृत्व में देश और योगी जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश लगातार आगे बढ़ रहा है। सांसद जगदम्बिका पाल ने मीडिया द्वारा ये पूछे जाने पर कि सीएम और डिप्टी सीएम के बीच तल्खियां सुनी जा रही हैं, सांसद जगदम्बिका पाल ने कहा संगठन और सरकार अलग नही है। जिन तल्खियों की बात कह रहे हैं वह विपक्ष का अनर्गल प्रलाप है। देश के विकास के लिये पूरी भाजपा एकजुट है और हम सिर्फ विकास के एजेंडे पर काम कर रहे हैं।

उन्होंने चौथी बार सांसद चुनने के लिये अपने मतदाताओं और समर्थकों के प्रति आभार जताया। सांसद जगदम्बिका पाल का महादेवा चौराहे पर भाजपा नेता रघुनाथ सिंह के नेतृत्व में, नगर पंचायत बनकटी की सीमा पर अरविंद पाल के नेतृत्व में, बरोहिया में ग्रामवासियों ने अशोक पाल के नेतृत्व में सैकड़ों मोटरसाइकिलों के जुलूस के साथ स्वागत किया। अपने गृहब्लाक में जगदम्बिका पाल को पाकर समर्थकों का उत्साह देखने लायक था। मुख्य रूप से पूर्व विधायक रवि सोनकर, पूर्व प्रमुख आसमान सिंह, समाजसेवी तेज प्रताप सिंह, पिंकू पाल, मो आरिफ, सभासद वसीम, शशि गौड़, उदय पाल, ओमजी, महेन्द्र सिंह, कृष्ण चन्द्र सिंह, वागीश सिंह, धनंजय सिंह, अरूणेश पाल, सांसद प्रतिनिधि डा अजीत प्रताप सिंह, डा राकेश कुमार यादव, उमेश श्रीवास्तव, विजय पाल सिंह आदि की मौजूदगी रही।

गरीब छात्रों की तकदीर संवारने में मददगार होगी अभ्युदय कोचिंग

संवाददाता—संतकबीरनगर। जिले के मेंहदावल के डीएवी इंटर कालेज में शुरू हुई अभ्युदय कोचिंग गरीब व मेधावी बच्चों की तकदीर संवारने में मददगार होगी। इसमें जेईई (इंजीनियरिंग) व नीट (मेडिकल) परीक्षाओं की तैयारियां कराई जाएंगी। अभी तक विभिन्न स्कूलों के नीट के 35 तथा जेईई के 30 छात्र—छात्राओं ने नामांकन कराया है। मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के जिला कोआर्डिनेटर कमलेश ने कहा कि यह योजना उन छात्रों के लिए उपयोगी है जो जिले से बाहर कोचिंग की सुविधा नहीं ले सकते, उन्हें अपने घर के नजदीक ही परीक्षाओं की तैयारी के लिए निःशुल्क प्रशिक्षण की व्यवस्था मिलेगी। निःशुल्क कक्षाओं का संचालन विषय विशेषज्ञों द्वारा होगा, साथ ही जिला प्रशासन के अधिकारी भी अपना मार्गदर्शन देंगे। उन्होंने बताया कि अपना लक्ष्य निर्धारित कर कड़ी मेहनत करें, इससे आपको सफलता अवश्य प्राप्त होगी। कस्बा इंचार्ज एसआई सत्येन्द्र यादव ने कहा कि छात्र विषयों का गहराई से अध्ययन करें एवं लक्ष्य के प्रति समर्पित रहते हुए पर्याप्त समय दें, जिससे आपको मन मुताबिक परिणाम मिल सके। प्रबंध समिति के सदस्य कृपाशंकर पाण्डेय ने कहा कि कड़ी मेहनत का कोई विकल्प नहीं है। जो लोग कड़ी मेहनत करते हुए अपने समय का सदुपयोग करते हैं, उन्हें सफलता अवश्य प्राप्त होती है। प्रधानाचार्य केपी सिंह ने कहा कि कोचिंग व्यवस्था परीक्षाओं के पाठ्यक्रम के हिसाब से आपका मार्गदर्शन अवश्य करेगी, परंतु आपका अध्ययन के प्रति ज्यादा समय देने एवं समर्पण भाव ही आपको सफलता दिलाएगा। उन्होंने बताया पिछले वर्ष कोचिंग कर रहे तीन छात्रों ने नीट—2024 की परीक्षा में स्थान हासिल किया है। डीएवी इंटर कालेज में शुरू हुए अभ्युदय कोचिंग में विषय विशेषज्ञ शिक्षकों द्वारा शिक्षण कार्य किया जाएगा। दीक्षा कांदू द्वारा गणित, मोनिका शुक्ला द्वारा जीव विज्ञान, आश्य कुमार सिंह द्वारा रसायन विज्ञान तथा राकेश सिंह द्वारा भौतिक विज्ञान पढ़ाया जाएगा।

हेपेटाइटिस के मरीजों को इलाज के लिए गैर जनपद कर दिया जाता है रेफर

संवाददाता—संतकबीरनगर। जिले के स्वास्थ्य विभाग में हेपेटाइटिस की बीमारी का इलाज करने की व्यवस्था नहीं है। इसके चलते यहां से ऐसे मरीजों को इलाज के लिए गोरखपुर—लखनऊ रेफर कर दिया जाता है। हेपेटाइटिस एक ऐसी बीमारी है जो थोड़ी सी लापरवाही से दबे पांव शरीर में प्रवेश करती है। बीमारी के बारे में जब तक पता चलता है तब तक लीवर का बहुत अधिक नुकसान कर चुकी होती है। अब इस बीमारी की जांच के लिए जिले में खाका तैयार किया जा रहा है। हेपेटाइटिस मुख्य रूप से पांच प्रकार का होता है। हेपेटाइटिस—ए, बी, सी, डी और ई होते हैं। इसमें सबसे अधिक घातक हेपेटाइटिस बी और सी है। हेपेटाइटिस बी का इलाज तो है, लेकिन एक बार हेपेटाइटिस बी ठीक होने जाने के बाद भी इसके वायरस शरीर से जाते नहीं है। जीवन में जितनी बार जांच होगी उतनी बार हेपेटाइटिस बी के वायरस पाए जाने की पुष्टि होगी। इसके बाद सबसे अधिक घातक हेपेटाइटिस सी है। हेपेटाइटिस सी को लीवर के कैंसर के लिए जिम्मेदार माना जाता है। हेपेटाइटिस के लिए दूषित पानी और भोजन के अलावा संक्रमित सूई का प्रयोग और दूसरे के सेविंग किट का इस्तेमाल करने की वजह से भी होने की आशंका बनी रहती है। हेपेटाइटिस बी के लिए असुरक्षित यौन संबंध भी एक कारक के रूप में माना जाता है। हाथ में टैटू बनवाने से हेपेटाइटिस सी होने की आशंका होती है। हेपेटाइटिस की जांच के लिए सीएचसी खलीलाबाद परिसर स्थित बीएसएल लैब—2 में हेपेटाइटिस के जांच की सुविधा है।

स्कूलों पर नहीं रुक रही हैं चोरियां, गायब हो रहे सामान

संवाददाता—संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले के स्कूलों में चोरियां नहीं रुक रही हैं। आए दिन स्कूल चोरों का निशाना बन रहे हैं। स्कूलों के सामान का नुकसान हो रहा है।

बेलहर कलां ब्लॉक में चोर लगातार तीन परिषदीय स्कूलों का ताला तोड़कर उसमें रखा सारा सामान चुरा ले गए। चोरों ने बीते 24 जुलाई को प्राथमिक विद्यालय बढ़या बाबा, 25 जुलाई को प्राथमिक विद्यालय बरगदवा कला तथा 26 जुलाई की रात यूपीएस सरौआ में किचन का ताला तोड़कर उसमें बच्चों के लिए रखी गई खाद्य सामग्री तथा गैस सिलेंडर आदि गायब कर दिया। पिछले वर्ष भी चोरों ने परिषदीय विद्यालयों को निशाना बनाया था। इस दौरान प्राथमिक विद्यालय जिवधारा में चोरी करते हुए एक चोर पकड़ा भी गया था, जिसे स्थानीय लोगों ने पकड़कर पुलिस को सौंप दिया था। शिक्षकों ने पुलिस प्रशासन से चोरी की घटनाओं पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है।

आनलाइन प्यार फिर कोर्ट में की शादी, युवती के इस कदम से नाराज परिजनों ने युवक के घर में घुसकर की मारपीट

संवाददाता—अम्बेडकरनगर। पीलीभीत में एक युवक को दूसरे जिले की रहने वाली गैर समुदाय की युवती से सोशल मीडिया पर जान पहचान हो गई। नजदीकियां बढ़ने के बाद दोनों कोर्ट मैरिज कर ली। कुछ दिन पहले युवती के परिजनों ने पुलिस के साथ पहुंचकर युवक के घर हंगामा मचाकर युवती को अपने साथ ले गए। अब एसपी के आदेश पर मुकदमा दर्ज किया गया है। नगर निवासी एक युवक को जनपद अंबेडकरनगर के थाना हंसवर क्षेत्र के गांव की रहने वाली गैर समुदाय की युवती से ऑनलाइन जान पहचान हो गई। नजदीकियां बनने के बाद दोनों ने शादी का मन बना लिया। प्रेमी के धर्म में आस्था होने की जानकारी पर उसके परिजन ने विरोध कर मारपीट की। इससे आहत युवती 8 मई 2024 को अपना घर छोड़कर पूरनपुर पहुंच आ गई। अगले दिन दोनों ने धार्मिक रीति रिवाज से शादी कर ली। 10 मई को दोनों ने पूरनपुर रजिस्टर कार्यालय में अपना विवाह पंजीकरण भी करा लिया। लेकिन दोनों के इस हरकत से नाराज युवती के परिजन पुलिस के साथ 3 जून की सुबह 8 बजे युवक के घर पहुंच गए। इसके बाद परिजनों को धमकाकर मारपीट कर घर में तोड़फोड़ की। युवती को जबरन अपने साथ ले गए। मामले में युवक ने उच्च न्यायालय प्रयागराज में पत्नी को घर से ले जाने की याचिका दायर की। एसपी के आदेश पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

छह वार्डों में बनेंगे सुविधा सम्पन्न सात पार्क

संवाददाता—गोरखपुर। मुख्यमंत्री नगर सृजन योजना अंतर्गत 02.26 करोड़ रुपये से महानगर के 06 वार्डों में 07 पार्कों का निर्माण किया जाएगा। नगर निगम आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल के निर्देश पर निर्माण विभाग ने 02.26 करोड़ रुपये का प्रस्ताव बना कर मंजूरी के लिए शासन में भेजा है। मुख्य अभियंता संजय चौहान ने बताया कि वार्ड संख्या 03, 06, 11, 13, 30, 37 में प्रस्तावित पार्कों में पाथवेज, टायलेट, चाहरदीवारी, स्ट्रीट लाइट लगाने के साथ किड्स जोन भी निर्मित किया जाएगा। गार्डेन चेयर की सुविधा भी मिलेगी। पार्कों को हरा भरा बनाने के लिए फूलदार और छायादार पौधे लगाने पर जोर रहेगा। फलदार, धार्मिक और औषधीय महत्व के वृक्ष के पौधे भी लगाए जाएंगे। वार्ड संख्या 03 रानीडीहा कालिंदी गैस गोदाम रोड पर निगम की जमीन पर 16.72 लाख रुपये से, वार्ड संख्या 06 बिंद टोलिया में निगम की भूमि अराजी संख्या 1080 पर 32.92 लाख रुपये से, वार्ड संख्या 11 बड़गो में वृद्धाआश्रम के पास 52.92 लाख रुपये, वार्ड संख्या 37 भरवलिया में गाटा संख्या 588 में 39.88 लाख रुपये से और वार्ड संख्या 13 शेखपुरवा में पंचायत भवन के निकट 17.50 लाख रुपये की लागत से पार्क का निर्माण किया जाएगा। वार्ड संख्या 30 मोहल्ला पुरैना गाटा संख्या 50—55 में 19.21 लाख रुपये और वार्ड संख्या 30 नौतन में मदरसा के निकट गाटा संख्या 668 व 670 अंतर्गत पार्क निर्माण 46.14 लाख रुपये से किया जाएगा।

पहले बाढ़ ने बर्बाद की फसल अब सूखे का सता रहा डर

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। जिले में पखवारे भर तक बाढ़ का तांडव रहा। बाढ़ के पानी में डूब कर धान की फसलें सड़कर बर्बाद हो चुकी हैं। जो बची हैं उस पर सूखे की मार का डर सता रहा है। जिले में पिछले 14 दिनों से बारिश नहीं हुई। अगर कहीं हुई भी तो मामला बूंदाबांदी तक ही सीमित रहा। इससे खेतों में हल्की दरारें दिखने लगी हैं। दो—चार दिन और बारिश नहीं हुई तो दरारें मोटी होती चली जाएंगी। इससे धान की फसल को भारी नुकसान होगा। जिले में धान बुवाई का लक्ष्य 1.71 लाख हेक्टेयर है। अधिकांश किसानों ने धान की रोपाई का काम पूरा कर लिया था। कुछ फसल बाढ़ के कारण बर्बाद हो चुकी है और जो बाकी है उस पर सूखा की मार पड़ती दिख रही है।

जिला कृषि अधिकारी मोहम्मद मोजम्मिल ने कहा बाढ़ से हुए नुकसान के आंकलन के लिए सर्वे चल रहा है। सर्वे पूरा होने के बाद ही सही स्थिति पता चल सकेगी। अभी सूखे जैसे हालात नहीं हैं। खेतों में नमी है इससे नुकसान होने की संभावना नहीं है। जिले में पिछले 12 दिनों से बारिश नहीं हो रही है लेकिन जुलाई की शुरुआत में इतनी अधिक बारिश हो गई थी कि औसत मेनटेन है।

जिले में 26 जुलाई तक 501.9 मिमी बारिश होनी चाहिए और अब तक 550.4 एमएम हो चुकी है। देखने में अधिक लग रही है लेकिन यह बारिश जुलाई प्रथम सप्ताह की है। बाढ़ से हुए नुकसान के सर्वे का काम चल रहा है। वह 31 जुलाई तक पूरा होगा। सर्वे के बाद ही नुकसान का आंकलन हो सकेगा और किसानों को तभी फसल नुकसान की क्षतिपूर्ति मिल सकेगी। मल्दा के किसान मातादीन ने बताया कि बारिश न होने से दिक्कत बढ़ती जा रही है। आसमान में बादल तो दिखाई दे रहे हैं लेकिन बगैर बरसे लौट जा रहे हैं। बारिश न होने से खेतों में दरार पड़ जाए और धान की फसल पीली पड़ कर सूख जाएगी। सिंचाई कर अगर किसी प्रकार बचाने का प्रबंध किया जाए तो लागत काफी बढ़ जाएगी। बभनी के किसान लक्ष्मीशरण ने बताया कि मौसम की बेरुखी ने दिन का चौन और रात की नींद उड़ा दी है। धान की फसल को अधिक पानी की जरूरत होती है। बारिश हो नहीं रही है। आर्थिक दिक्कत की वजह से सब कुछ भगवान भरोसे छोड़ दिया गया है।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम जसप्रीत सिंह से बदलकर जसप्रीत सिंह हैप्पी रख लिया है। अब मुझे इसी नाम से जाना एवं समझा जाए।

(जसप्रीत सिंह हैप्पी)
पुत्र कवलजीत सिंह
निवासी पिकौरा बक्स,
पोस्ट गांधी नगर,
जिला बस्ती— 272001

अदालती नोटिस

सम्मन बरगग इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
नम्बर मुकदमा — 947/2020
अदालत— श्रीमान तहसीलदार बांसी मुकाम बांसी जिला—सिद्धार्थनगर
विमलावती
बनाम
धूपा
ग्राम खुटहना तप्पा कुदारन तहसील बांसी जिला—सिद्धार्थनगर
1. राम मिलन पुत्र बिहारी साकिन गोपालपुर तप्पा कुदारन परगना बांसी पूरब तहसील बांसी जिला—सिद्धार्थनगर 2. सन्तराम पाण्डेय पुत्र बल्देव पाण्डेय साकिन खुटहना तप्पा कुदारन परगना बांसी पूरब तहसील बांसी जिला— सिद्धार्थनगर
तारीख पेशी 29—07—2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 29 माह 07 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से बराह वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जवाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजवीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 16 माह 07 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1—4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक—दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक—प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या—फैजाबाद कार्यालय— चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या—फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय— आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय— इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल bhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com